শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 159 | गुवाहाटी | मंगलवार, 7 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ ईसी ने की बैठक — पेज 2
कांग्रेस के विरोध के बीच असम के सीएम ने निवेशकों को लुभाने के लिए ... — पेज 3
जेल जाने से पहले प्रशांत किशोर ने कहा, जारी रहेगा सत्याग्रह — पेज 5
अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को हराकर पहली बार बहु-टेस्ट द्विपक्षीय सीरीज जीती — पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

नीतिवान पुरुष कार्य प्रारंभ करने से पूर्व ही देश-काल की परीक्षा कर लेते हैं।

\- आचार्य चाणक्य

असम में निवेश का मतलब है भारत के भविष्य में निवेश करना : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज निवेशकों को आकर्षित करते हुए कहा कि सरकार को नियमों और विनियमों के पुनर्गठन में कोई हिचकिचाहट नहीं है और वह सही पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करेगी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (एआईडीसी) द्वारा मुंबई में आयोजित एक रोड शो में कहा कि हम असम के भविष्य को लेकर आशान्वित हैं और औद्योगीकरण के लिए आक्रामक रूप से आगे बढ़ेंगे। हमारा मानना है कि हर उद्योग पर ध्यान देने की आवश्यकता है और हम ऐसा करने के लिए सही पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करेंगे। यह रोड शो 25-26 फरवरी, 2025 को गुवाहाटी में होने वाले बहुप्रतीक्षित एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन के लिए मंच तैयार कर रहा है। मुंबई में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, डॉ. शर्मा और उनकी टीम ने शीर्ष व्यापारिक नेताओं के साथ मिलकर असम के एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में परिवर्तन को प्रदर्शित किया। डॉ. शर्मा ने एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन के लिए एक आकर्षक निमंत्रण दिया: 24 फरवरी को प्रधानमंत्री के लिए 10,000 युवाओं द्वारा प्रस्तुत शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए हमारे साथ जुड़ें, जिसके बाद दो दिनों तक गतिशील चर्चा और नेटवर्किंग होगी। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को उनके अनुरूप समाधान प्रदान करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमने एक एकल-पंक्ति निवेश नीति बनाई है जो हर उद्योग की अनूठी जरूरतों को पूरा करती है। एक बार जब निवेशक असम आते हैं, तो वे वापस नहीं जाना चाहते। उन्होंने नीतियों को अपनाने में -शेष पृष्ठ दो पर

बैंकों को असम में परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए आशंकाएं छोड़नी होंगी : सीएम

मुंबई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को बैंकों से राज्य में अधिक परियोजनाओं को वित्तपोषित करने तथा प्रतिकूल धारणाओं को त्यागने का आग्रह किया। असम के मुख्यमंत्री ने फरवरी में होने वाले निवेश शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर आयोजित एक समारोह के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमें बैंकों को तैयार करना होगा ताकि वे असम में परियोजनाओं को वित्तपोषित कर सकें। कभी-कभी लोग अतीत के कैदी बन जाते हैं। उस बाधा को तोड़ना महत्वपूर्ण है और आपको धारणा की लड़ाई लड़नी होगी। उन्होंने कहा कि वे सवाल कर सकते हैं कि वे असम में पैसा क्यों लगाना चाहते हैं और अन्य राज्यों में क्यों नहीं जाना चाहते। असम सरकार ने सोमवार को कहा कि सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एमएफआई) को राज्य सरकार की प्रोत्साहन और राहत योजना के तहत शेष भुगतान प्राप्त करने के लिए उधारकर्ताओं की पहचान करनी -शेष पृष्ठ दो पर

चार दिवसीय *गुणोत्सव* शुरू

गुवाहाटी। असम में स्कूली शिक्षा के मूल्यांकन के लिए चार दिवसीय *गुणोत्सव* सोमवार को राज्य के 11 जिलों में शुरू हुआ। गुणोत्सव असम में विभिन्न चरणों में आयोजित किया जा रहा है, जहां स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाता है और उसके अनुसार शिक्षा विभाग व्यवस्था में सुधार लाने के लिए कदम उठाता है। शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने कहा कि गुणोत्सव 2025, जिसका विषय *गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना* है, 6-9 जनवरी को 11 जिलों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 6,365 बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं के सहयोग से 16,056 स्कूल और 14,11,874 छात्र शामिल होंगे। असम के भविष्य के लिए शिक्षा के उच्च मानक को बढ़ावा देने के लिए इसके सफल समापन को सुनिश्चित करने के लिए सभी के सहयोग और सक्रिय भागीदारी का ईमानदारी से अनुरोध किया जाता है। पहले चरण में यह कार्यक्रम बरपेटा, बोजाली, श्रीभूमि, कामरूप, कार्बी आंग्लांग, कोकराझार, लखीमपुर, नगांव, शिवसागर, दक्षिण शालमारा मनकाचर और उदालगुड़ी जिलों में आयोजित किया जा रहा है। पेगु ने यह भी कहा कि कॉलेज शिक्षक, -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

त्रिपुरा : बस में लगी आग, 13 छात्र घायल

अगरतला। पश्चिम त्रिपुरा के मोहनपुर में रविवार को एक बस में आग लगने से 13 स्कूली छात्र घायल हो गए। ये सभी पिकनिक मनाने के लिए गए थे। पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक किरण कुमार ने बताया कि इनमें से नौ को उपचार के लिए जीबीपी अस्पताल भेजा गया। अन्य चार को प्राथमिक उपचार देने के बाद छुट्टी दे दी गई। उन्होंने बताया कि बस में आग अंदर रखे एक जेनरेटर के -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिकी एनएसए ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पिछले चार वर्षों में भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और एआई के प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति का सकारात्मक मूल्यांकन किया।

घुसपैठिए पर सीएम शर्मा की उद्योगपतियों से खास अपील

सस्ते श्रम के कारण अवैध बांग्लादेशियों को रोजगार न दें

मुंबई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने उद्योगपतियों से अपील की कि वे सस्ते श्रम के कारण अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को रोजगार न दें। उन्होंने यह भी कहा कि अवैध बांग्लादेशी अब असम में घुसने की हिम्मत नहीं करते और जो घुस गए हैं उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया चल रही है। बंगाल और असम बांग्लादेशियों के लिए एंट्री प्वाइंट बन गए हैं, लेकिन राष्ट्रहित में हमारा ग्राउंड एक्शन रोज राष्ट्रहित में होता है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हमने 1978 में ही चेतावनी दी थी कि बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, नहीं तो 30 साल बाद भारत में सिर्फ बांग्लादेशी ही दिखेंगे। कई बांग्लादेशी कपड़ा उद्योग में काम करने के बहाने यहां घुस आते हैं। उन्होंने कहा कि अगर -शेष पृष्ठ दो पर

तीन सौ फिट गहरी कोयला खदान में घुसा पानी, 10 से 15 मजदूर फंसे

चिंतित सीएम ने बचाव अभियान में हर संभव सहायता का दिया आश्वासन

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के पहाड़ी जिलों में से एक डिमा हसाओ के औद्योगिक शहर उमरांग्शु से लगभग 25 किमी दूर असम-मेघालय सीमा पर आज एक भयावह कोयला खदान हादसा हुआ है। जमीन से 300 फीट गहरी कोयला खदान में काम कर 10 से 15 श्रमिक अचानक पानी भर जाने से अंदर फंस गए हैं। बताया गया है कि खदान में लगभग 100 फुट पानी भर गया है। स्थानीय लोगों, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने फंसे हुए श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए एक अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हादसे पर चिंता जताते हुए खदान में फंसे मजदूरों के बचाव कार्य में हर तरह की मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने पहले ही बचाव अभियान में सेना की मदद मांगी है। मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा कि खदान में फंसे लोगों की सही संख्या और स्थिति अभी भी अज्ञात है। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और मेरे सहयोगी (मंत्री) कौशिक राय घटनास्थल की ओर रवाना हुए हैं। ईश्वर से सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं। यह घटना सोमवार सुबह लगभग 9 बजे डिमा हसाओ जिले के अंतर्गत असम-मेघालय अंतर्राज्यीय सीमा पर उमरांग्शु पुलिस स्टेशन से लगभग 25 किमी सुदूर 3 किलो क्षेत्र में लगभग 300 फीट गहरी कोयला खदान में हुई। -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय मंत्री ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में 50 मछली पालन परियोजनाओं का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने सोमवार को पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 50 करोड़ रुपए की लागत से 50 मत्स्य पालन परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर असम के दरंग जिले में एकीकृत एक्वा पार्क की स्थापना की घोषणा भी हुई, जो हर साल 150 मीट्रिक टन मछली का उत्पादन करेगा, जिससे 10-15 करोड़ रुपए का राजस्व मिलेगा। साथ ही, कामरूप जिले में एक बड़ी फिश फीड प्लांट और विभिन्न जिलों में हैचरियों की स्थापना की जाएगी। मणिपुर में इंफाल और थौबल जिलों में बर्फ संयंत्र और -शेष पृष्ठ दो पर

नक्सलियों ने जवानों के वाहन को आईईडी से उड़ाया, नौ शहीद

बीजापुर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के थाना कुटरू क्षेत्र अंतर्गत बेदरे मार्ग पर ग्राम अम्बेली के पास जवानों को लेकर जा रहे एक स्कार्पियो वाहन को नक्सलियों ने सोमवार को दोपहर आईईडी विस्फोट कर निशाना बनाया, जिसमें दंतेवाड़ा डीआरजी के 9 जवान और एक सिविलियन वाहन का ड्राइवर की मौत हो गई। बस्तर आईजी सुदरराज पी. ने इसकी पुष्टि की है। रविवार को नारायणपुर में हुई मुठभेड़ के बाद जवान आज वापस लौट रहे थे। इसी दौरान नक्सलियों ने आज दोपहर 14:15 बजे आईईडी से विस्फोट कर जवानों को लेकर जा रहे स्कार्पियो वाहन को उड़ाकर वारदात को अंजाम दिया। इसमें दंतेवाड़ा डीआरजी -शेष पृष्ठ दो पर

बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा बलिदान : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुए नक्सली हमले में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवानों की शहादत पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। हम मार्च 2026 तक भारत की भूमि से नक्सलवाद को समाप्त करके ही रहेंगे। गृहमंत्री शाह ने एक्स पर पोस्ट किया कि बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी के जवानों को खोने की सूचना से अत्यंत दुःखी हूं। वीर जवानों के परिजनों के प्रति गहरी -शेष पृष्ठ दो पर

जस्टिन ट्रूडो ने दिया पीएम पद से इस्तीफा

ओटावा। कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद उनके 10 साल पुरानी सत्ता का अंत हो गया। ट्रूडो ने भारतीय समयानुसार रात करीब 10 बजे इस्तीफे का एलान किया। जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे से पहले एक अधिकारी ने बताया कि सरकार के प्रति बढ़ते असंतोष के कारण उन्होंने पद छोड़ने का फैसला लिया। ट्रूडो के अलावा वित्त मंत्री भी इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में कनाडा की राजनीति में अस्थिरता बढ़ने के संकेत हैं। कनाडाई सरकार के एक अधिकारी ने कहा, सत्ताधारी लिबरल पार्टी में अगले नेता का चुनाव होने तक ट्रूडो कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। अधिकारी ने नाम न -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रह्मपुत्र में बनने वाले बांध पर चीन की सफाई, कहा-

साइंटिफिक तरीके से तैयार करेंगे, नहीं होगा भारत को कोई नुकसान

बीजिंग। चीन ने कहा कि ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने वाले बांध का भारत और बांग्लादेश पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित परियोजना पर अपना विरोध दर्ज कराने के बाद आया है। चीनी विदेश मंत्रालय का कहना है कि यारलुंग त्सांगपो नदी (ब्रह्मपुत्र नदी का तिब्बती नाम) के डाउनस्ट्रीम पर चीन द्वारा जलविद्युत परियोजना का निर्माण कठोर वैज्ञानिक सत्यापन से गुजरा है और इससे डाउनस्ट्रीम देशों के पारिस्थितिक पर्यावरण, भूविज्ञान और जल संसाधनों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि यह कुछ हद तक -शेष पृष्ठ दो पर

असम के मुख्यमंत्री ने विनाशकारी प्रभाव की चेतावनी दी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन द्वारा प्रस्तावित दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण पर गंभीर चिंता जताई। मुंबई में रोड शो के बाद आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में बोलते हुए, शर्मा ने -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में पहले ही फैल चुका है एचएमपीवी वायरस, आईसीएमआर ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। देश में एचएमपीवी वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। चीन में आतंक मचा रहे इस वायरस के तीन मामले आज भारत में मिले हैं। पहले सुबह में दो मामले कर्नाटक के बेंगलुरु से सामने आए थे और अब गुजरात में इसका संदिग्ध मिला है। इस बीच भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बड़ा बयान जारी करते हुए चेतावनी दी कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी वायरस) पहले से ही भारत सहित कई देशों में फैल चुका है। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत इस वायरस से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। आईसीएमआर का यह बयान तब आया जब बेंगलुरु में एचएमपीवी के दो मामले सामने आए हैं। पहला मामला एक 8 महीने के बच्चे का है, जिसका इलाज चल रहा है। -शेष पृष्ठ दो पर

हम हालात पर नजर बनाए हुए हैं : स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली। भारत में अब तक ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के तीन मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें से दो कर्नाटक में और एक गुजरात में है। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारी इस बात पर जोर दे रहे हैं कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

दिल्ली में मंडराया एचपीवी वायरस का संकट!

स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ ईसी ने की बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव ने दस्तक दी ही थी, कि देश में एक वायरस ने भी एंट्री ले ली। अबतक देश में एचपीवी वायरस के तीन मामले सामने आए हैं। इसमें कर्नाटक के दो केस और गुजरात का एक केस शामिल है। ऐसे हालातों को देखते हुए एचपीवी को लेकर दिल्ली सरकार भी अलर्ट पर है। वहीं चुनाव आयोग भी सतर्कता बरतना चाह रहा है। सूत्रों के अनुसार, आयोग ने स्वास्थ्य मंत्रालय से एहतियाती उपायों पर चर्चा करने का फैसला लिया है। सोमवार को चुनाव आयोग आयोग स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव के साथ वर्चुअल बैठक करेगा। इसमें वायरस से बचाव और आवश्यक शर्तों पर चर्चा की जाएगी। बढ़ते मामलों को देखते हुए दिल्ली स्वास्थ्य सचिव ने एक दिन में तीन अस्पतालों का निरीक्षण करने के लिए भी कहा है। वहीं, वायरस के संकट को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी अस्पतालों को कई निर्देश जारी किए है। उन्होंने कहा कि सांस से संबंधित बीमारी के बढ़ने के किसी भी मामले को पूरी तैयारी के साथ रोकने की जानी चाहिए। सूत्रों के मुताबिक, अगर स्वास्थ्य मंत्रालय वायरस को फैलने से रोकने के लिए कोई उपाय बताता है, तो कोविड-19 के दौरान लागू किए गए प्रतिबंधों को दिल्ली चुनाव में लागू किया जा सकता है। इनमें रैलियों में लोगों की संख्या सीमित करना, प्रचार के दौरान मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग जैसे उपाय शामिल हैं। कोविड-19 के समय चुनाव प्रक्रिया के दौरान कड़े प्रावधान लागू किए गए थे, जिसको देखते हुए एचपीवी के खतरे के मद्देनजर इन्हें दोबारा अपनाया जा सकता है। चुनाव आयोग सोमवार को शाम स्वास्थ्य सचिव के साथ वर्चुअल बैठक कर एचपीवी से बचाव के लिए उपयुक्त कदमों पर चर्चा करेगा। देश में वायरस के तीन मामलों की पुष्टि के बाद चुनावी प्रक्रिया में किसी भी स्वास्थ्य खतरे को टालने के लिए यह कदम उठाया गया है। हालांकि आयोग यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेगा कि चुनावी प्रक्रिया प्रभावित न हो और जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। इसके साथ ही सौरभ भारद्वाज ने एचएमपीवी को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की गाइडलाइंस को फॉलो करने का भी निर्देश दिया।

भारतीय मानक ब्यूरो ने मनाया 78वां स्थापना दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने आज राजधानी के एक निजी होटल में अपने 78वें स्थापना दिवस का भव्य आयोजन किया। यह अवसर देशभर में गुणवत्ता मानकों को स्थापित और बढ़ावा देने में बीआईएस के सतत प्रयासों को दर्शाता है, जो उत्पादों और सेवाओं की सुरक्षा, विश्वसनीयता और उत्कृष्टता सुनिश्चित करता है। इस आयोजन में प्रमुख हितधारकों, गणमान्य व्यक्तियों, उद्योग जगत के प्रमुखों और बीआईएस अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में तकनीकी प्रस्तुतियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मुख्य भाषण शामिल थे, जो आधुनिक उद्योगों और उपभोक्ता कल्याण में मानकों के महत्व को रेखांकित करते हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन बीआईएस के डिप्टी डायरेक्टर जनरल (ईस्ट), अनुज स्वरूप भटनागर के संबोधन से हुआ। उन्होंने बीआईएस की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में भूमिका पर प्रकाश डाला। गुवाहाटी बीआईएस के निदेशक और प्रमुख, शौविक चंदा ने स्वागत भाषण में क्षेत्र में बीआईएस के योगदान और मानकीकरण प्रयासों की प्रगति पर चर्चा की। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों की सचिव अनुसूइया दत्त बरुवा ने मुख्य अतिथि के रूप में उपभोक्ता कल्याण और बीआईएस की भूमिका पर जोर दिया। तपन डेका, एडीसी, डीकॉक ने गुणवत्ता मानकों के उद्योग विकास और व्यापार को बढ़ावा देने में योगदान पर अपनी बात रखी। बीआईएस के जॉइंट डायरेक्टर, लैमसुआनलुन टॉनसिंग ने ब्यूरो की दृष्टि, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रस्तुति दी।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के डिगबोई इलाके में हुए सड़क हादसे में वाहन चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आज तड़के लिडू से तिनसुकिया की ओर जा रही बोलेरो पिकअप (एएस-23डीसी-2225) वाहन सिंगराई इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई, जिसकी वजह से वाहन चालक शानू खान की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, राज भौमिक गंभीर रूप से घायल हो गया।

भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों में 73 गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि 2024 में सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी निदेशालय ने विभिन्न ट्रैप अभियानों में 73 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें 4 दलाल शामिल हैं। अभियानों के दौरान दो करोड़ रुपए से अधिक नकद भी जब्त किया गया। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और इन कार्यों को राज्य में पारदर्शिता और ईमानदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम बताया।

जखलबंधा में प्रशासन ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

नगांव (हिंस)। नगांव जिलांतर्गत कलियाबोर के जखलबंधा में प्रशासन ने सोमवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। जिसके चलते लोगों में आक्रोश दिखा और इलाके में तनाव रहा। जखलाबंधा अस्पताल के पास सरकारी जमीन के अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन के अभियान के संबंध में कलियाबर राजस्व चक्र कार्यालय के अधिकारी ने बताया है कि एक्सवेटर के जरिए निर्माणाधीन पक्की दीवार को तोड़ा गया। सड़क से सटे आरक्षित भूमि पर यादव भगवती के निर्माण कार्य कराये जाने की प्रशासन को शिकायत मिली थी। शिकायत के आधार पर कलियाबोर के राजस्व चक्र अधिकारी मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रोक दिया और निर्माणाधीन मकान के ढांचे को गिरा दिया। किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए मौके पर काफी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की ओर से सरकारी जमीन पर बेदखली के नाम पर दिखावा करने का भी आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि प्रशासन ने अतिक्रमित भूमि पर दीवार के कुछ हिस्सों को ध्वस्त करके बेदखली अभियान को समाप्त कर दिया।

No.JDB/15th-FC/T/VI/6/2024-25/527 *Date 30/12/2024*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tenders affixing a non-refundable Court fee stamp amounting Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 Days which will subsequence to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited form the registered Contractor of Class-I (A, B, C), Class-II, Class-III category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC for the following works under 15 -FC (tied Grant)fund for the year 2023-24 during 2024-25 under Jalah Dev. Block of BTC area. The Tenders will be received by the undersigned up to **2.30PM on 22-01-2025** and will be opened on the same date & place at 3.30PM.

Sl. No.	Name of Scheme	Tender Value (In Rs.)	Bid Security	Cost of BID documents (D/D) @ 0.03% (Approx)	Time of Completion
1	Const. of Community Toilet at Rupahi Bazar	Rs. 10,47,960/-	Rs. 10,480/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs. 20,960/- @ 2% for General	Rs. 330/-	3 (Three) months from the date of issue of work order

Details NIT may be seen at the office of the undersigned from 26-12-2024 to 22-01-2025. up to 1.00PM.

Sd/-
Block Development Officer,
Jalah Dev. Block, Jalahghat

IPR(BTC)-2023-24/1254

पृष्ठ एक का शेष

असम में निवेश का...

लचीलेपन के प्रति असम की प्रतिबद्धता का भी उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे अधिकारी आपके साथ मिलकर काम करेंगे और हमें नियमों और विनियमों के पुनर्गठन में कोई हिचकिचाहट नहीं है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अगुवाई में, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और प्रमुख उद्योग जगत की हस्तियों के साथ, इस कार्यक्रम में असम के उल्लेखनीय आर्थिक परिवर्तन और विभिन्न क्षेत्रों में एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में इसके बढ़ते आकर्षण पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ. शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से असम के बुनियादी ढांचे में हुई वृद्धि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 65,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश ने सड़कों, रेलवे और डिजिटल कनेक्टिविटी को बदल दिया है। डॉ. शर्मा ने प्रगतिशील नीतियों और रणनीतिक साझेदारी द्वारा संचालित असम को एक विनिर्माण केंद्र बनाने के अपने दृष्टिकोण को साझा किया। उद्योग जगत के दिग्गजों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि हम टाटा समूह के आभारी हैं कि उन्होंने इस मिथक को ध्वस्त कर दिया कि पूर्वोत्तर भारत में महत्वपूर्ण निवेश नहीं हो सकता। टाटा द्वारा जगीरोड में भारत की पहली सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट यूनिट की स्थापना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। डॉ. शर्मा ने असम के निवेशक-केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर दिया, एक बार निवेशक असम में आ जाते हैं, तो वे वापस नहीं जाना चाहते। हम पारदर्शिता, निष्पक्षता और विविध औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुकूलित नीतियों को सुनिश्चित करते हैं। राज्य की अनूठी एकल-पंक्ति निवेश नीति इस लचीलेपन का उदाहरण है, जो उद्योग-विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करती है और निवेशकों के बीच विश्वास को बढ़ावा देती है। औद्योगिकीकरण से परे, असम सामाजिक समानता को आगे बढ़ा रहा है। डॉ. शर्मा ने कहा कि असम अपने समतावादी समाज के लिए जाना जाता है, जहां लोगों को उनकी जाति के आधार पर नहीं, बल्कि अच्छे इंसान के रूप में महत्व दिया जाता है। लड़कियों के लिए छात्रवृत्ति और वंचित छात्रों के लिए मुफ्त शिक्षा जैसी पहल समावेशी विकास के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। असम का भौगोलिक महत्व एक और केंद्र बिंदु था। डॉ. शर्मा ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत का दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार है, उन्होंने असम की बिहार, बंगाल, भूटान, म्यांमार, नेपाल और बांग्लादेश से कनेक्टिविटी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक स्थान असम को भारत के आर्थिक भविष्य में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है। पूर्वोत्तर को *अष्टलक्ष्मी* के रूप में संदर्भित करते हुए, डॉ. शर्मा ने इस क्षेत्र को अप्रयुक्त क्षमता का केंद्र मानने वाले प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण को याद किया। वित्त वर्ष 2029-30 तक 143 बिलियन डॉलर के अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) लक्ष्य और 26 बिलियन डॉलर की पूंजी निवेश योजना के साथ, असम त्वरित विकास के लिए तैयार है।

बैंकों को असम में ...

होगी। शर्मा ने कहा कि पिछले साल सरकार ने 150,000 कर्जदारों को नो-ड्यूज सर्टिफिकेट देने की कोशिश की थी, लेकिन एमएफआई 75,000 का पता नहीं लगा पाए हैं। उन्होंने कहा कि कर्जदाताओं और सरकार को कर्जदारों का पता लगाने में मुश्किल हो रही है। राज्य सरकार ने राज्य भर में माइक्रोफाइनेंस उधारकर्ताओं को सशक्त बनाने के लिए असम माइक्रोफाइनेंस प्रोत्साहन और राहत योजना (एएमएफआईआरएस) शुरू की है। यह पहल वित्तीय तनाव को कम करने और सीमित पुनर्भुगतान क्षमता वाले उधारकर्ताओं को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। असम में परियोजनाओं को ऋण देने के मामले में बैंकों के प्रतिकूल दृष्टिकोण के मुद्दे पर शर्मा ने कहा कि वह इस मुद्दे को बैंकों के समक्ष नहीं उठाएंगे। उन्होंने कहा कि जब सरकार निवेश पर मजबूती से काम करती है, तो सब कुछ ठीक हो जाता है। इससे पहले, आगामी शिखर सम्मेलन के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में राजनीतिक स्थिरता है और कानून-व्यवस्था की स्थिति सबसे अच्छी है। सरकार वित्तीय रूप से मजबूत है।

चार दिवसीय गुणोत्सव ...

जिन्होंने पहले गुणोत्सव कार्यक्रम का बहिष्कार करने का निर्णय लिया था, अब इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे स्कूलों का मूल्यांकन करने के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य करेंगे। अपने एक्स हैंडल पर उन्होंने लिखा कि असम कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन (एसीटीए) के अध्यक्ष डॉ. जयंत बरुआ ने मुझे फोन पर बताया कि @acta_ASSAM गुणोत्सव 2025 में पूर्ण सहयोग करेगा और सक्रिय रूप से भाग लेगा। स्कूली शिक्षा का आकलन और उसे बढ़ाने की यह राज्य सरकार की पहल 6 जनवरी 2025 को शुरू होने वाली है। इसमें शामिल सभी लोगों को मेरी शुभकामनाएं! इससे पहले असम कॉलेज शिक्षक संघ (एसीटीए) के प्रतिनिधियों ने राज्य में आगामी गुणोत्सव के बहिष्कार के साथ-साथ यहां विभिन्न कॉलेजों में कार्यरत प्रोफेसरों की पदोन्नति के संबंध में शिक्षा मंत्री रनोज पेगू के साथ बैठक की। महंत ने कहा कि शिक्षा मंत्री के साथ बैठक फलदायी रही। हालांकि, कॉलेज शिक्षकों की पदोन्नति की तारीखों को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। इस बीच, हम शिक्षा विभाग के गुणोत्सव कार्यक्रम का बहिष्कार करने के अपने पहले के फैसले पर कायम हैं। हालांकि, हमने अपनी एसोसिएशन की बैठक कल के लिए आगे बढ़ा दी है और गुणोत्सव में भाग लेने पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

सस्ते श्रम के कारण...

हम एक बार तय कर लें कि बांग्लादेशियों को नहीं आने देना है तो वे आना बंद कर देंगे। अगर किसी समस्या का समाधान करना है तो उसकी जड़ पर हमला करना होगा। सीएम शर्मा ने सोमवार को टाटा, अडानी ग्रुप और महिंद्रा समेत कई कॉरपोरेट घरानों के लोगों से मुलाकात के बाद प्रेस कांफ्रेंस में यह बात कही। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से अवैध प्रवास की समस्या की जड़ पर प्रहार करने की जरूरत है, ऐसे प्रवासियों को काम पर न रखकर। उद्योग द्वारा नियुक्त बिचौलिए बांग्लादेश से सस्ते श्रम लाने के लिए इन श्रमिकों को काम पर रखते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या सप्ताहांत में उद्योग प्रमुखों के साथ उनकी बैठक के दौरान यह मुद्दा उठा था, उन्होंने कहा कि उस मुद्दे पर फिर से जोर देने की कोई जरूरत नहीं है, जिस पर असम 1979 से लड़ रहा है। राज्य को उम्मीद है कि फरवरी में गुवाहाटी में होने वाले *एडवांटेज असम 2.0* निवेश शिखर सम्मेलन में केंद्र सरकार और उसकी संबद्ध संस्थाओं से एक लाख करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता मिलेगी। एडवांटेज असम 2.0 निवेश शिखर सम्मेलन 25-26 फरवरी को होना है। इसमें पर्यटन, सेमीकंडक्टर और रक्षा जैसे क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। असम के सीएम ने कहा कि सेमीकंडक्टर असेंबली प्लांट के लिए टाटा समूह का 27,000 करोड़ रुपए का निवेश तय समय पर है। इसका पहला चरण इस साल नवंबर या दिसंबर में शुरू होगा।

तीन सौ फिट गहरी ...

अचानक खदान में पानी भर जाने से 10 से 15 मजदूर फंस गए। वे किसी भी हालत में बाहर नहीं निकल सकते। जहां तक ज्ञात है, खाई में कम से कम 100 फीट पानी भरा हुआ है। अंतिम सूचना मिलने तक कोयला खदान के अंदर फंसे मजदूरों को बचाया नहीं जा सका था। ऐसे में खदान के अंदर फंसे मजदूरों की हालत क्या है, ये सवाल चिंता पैदा कर रहा है। हालांकि, कुछ उच्च शक्ति वाले पंपों की मदद से खदान से पानी निकालने का प्रयास किया जा रहा है। बचावकर्मी कठिनाइयों के बावजूद भारी जोखिम उठाते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। मालूम हो कि बचावकर्मियों ने पंपों की मदद से पानी का स्तर कम किया। बपानी भरे खदान के ढहने का भी खतरा है। यह बचाव दल के लिए सीमित और खतरनाक है। फिर भी वे फंसे हुए खदान मजदूरों तक पहुंचने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। घटना के संबंध में डिमा हसावा के पुलिस अधीक्षक मयंक कुमार झा ने कहा, उमरांग्शु में एक कोयला खदान में कई मजदूर गंभीर रूप से फंसे हुए हैं। फिलहाल हम फंसे हुए लोगों की सही संख्या की पुष्टि करने में असमर्थ हैं। हालांकि, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ अपने पूरे प्रयास से खदान के अंदर फंसे लोगों को बचाने का काम जारी रखे हुए हैं। इस बीच, पहले से फंसे खदान श्रमिकों के चिंतित परिवार के सदस्य घटनास्थल पर एकत्र हो गए हैं। वे अपने प्रियजनों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने दुर्घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन को बचाव दल और प्रभावित परिवारों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। अचानक पानी आने का कारण जानने और खाई में कोई सुरक्षा चूक थी या नहीं, इसका पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि भारी बारिश के कारण इलाके में पानी घुस गया होगा।

केंद्रीय मंत्री ने ...

कोल्ड स्टोरेज इकाइयों की स्थापना होगी। मेघालय में ईस्ट खासी हिल्स में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मनोरंजक मत्स्य पालन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। नगालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम में भी आधुनिक मत्स्य पालन परियोजनाओं के माध्यम से स्थानीय रोजगार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत इन परियोजनाओं का उद्देश्य मछली पालन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, उत्पादन बढ़ाना और रोजगार के अवसर उत्पन्न करना है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में मछली उत्पादन 2014-15 में 4.03 लाख टन से बढ़कर 2023-24 में 6.41 लाख टन हो गया है। यह क्षेत्र भारत के नीली अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

नक्सलियों ने जवानों ...

के 9 जवान और एक सिविलियन वाहन के ड्राइवर की भी मौत हो गई। वाहन के परखच्चे उड़ने के साथ जवानों और वाहन ड्राइवर के भी चिथड़े उड़ गए। बताया जा रहा है कि विस्फोट इतना जबरदस्त था कि वाहन कई फीट तक ऊपर उछल गया और जमीन में भी कई फीट का गड्ढा हो गया। घटनास्थल नक्सलियों के इस भीषण वारदात की कहानी को बयां कर रहे हैं। नारायणपुर में हुई मुठभेड़ के बाद चार दिन तक जंगल में पैदल चलने के बाद जवान थके हुए थे, इसलिए वे एक स्कार्पियो वाहन सीजी 17 केडब्लयू 7937 में सवार हो गए थे। इस वाहन को उड़ाने के लिए बड़ी मात्रा में बारूद का उपयोग किया गया था। धमाका इतना जोरदार था कि सड़क पर करीब 10 फीट गहरा गड्ढा हो गया और वाहन के परखच्चे उड़ गए। वाहन के कुछ हिस्से 30 फीट दूर तक बिखर गए, वहीं एक पेड़ पर 25 फीट ऊंचाई पर भी वाहन के कलपुर्जे लटके मिले। नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट के बाद जवानों पर एके 47 से ताबड़तोड़ फायरिंग भी की, जिसके खोखे भी बरामद किए गए हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दु:ख व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा कि बीजापुर जिले के कुटरू में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट में 8 जवानों के बलिदान सहित एक वाहन चालक की मौत की खबर अत्यंत दु:खद है। मेरी संवेदनाएं शहीदों के परिजनों के साथ है। ईश्वर से शहीद जवानों की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। बस्तर में चल रहे नक्सल उन्मूलन अभियान से नक्सली हताश हैं और विचलित होकर ऐसी कायराना हरकतों को अंजाम दे रहे हैं। जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी, नक्सलवाद के खात्मे के लिए हमारी यह लड़ाई मजबूती से जारी रहेगी। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस घटना के बाद अपने एक्स पर लिखा कि बीजापुर से आ रही खबर बेहद दुखद है.बीजापुर के कुटरू में माओवादियों ने सुरक्षाबलों के वाहन पर आईईडी ब्लास्ट किया गया है। इस दुखद घटना में हमारे 8 जवान और एक वाहन चालक के बलिदान होने की सूचना है। हम सब बलिदानियों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके बलिदान को कोटि-कोटि नमन करते हैं। लोकतंत्र विरोधी ताकतों के खिलाफ हम सब एकजुट हैं। छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने ट्वीट कर लिखा कि बीजापुर जिले के कुटरू में नक्सलियों की कायराना करतूत में 8 जवानों सहित एक ड्राइवर के बलिदान होने की खबर हृदय विदारक व अत्यंत ही दु:खद है। दु:ख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। भारत मां के वीर सपूतों का यह सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। नक्सलवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई निर्णायक मोड़ तक जारी रहेगी।

राष्ट्रपति ने हमले की निंदा की : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सली हमले की निंदा करते हुए कहा कि देश नक्सलवाद को समूल समाप्त करने के लिए संकल्पबद्ध है। सोमवार को राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर पोस्ट किया कि बीजापुर, छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों पर हुआ नक्सली हमला निन्दनीय है। देश की सुरक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों के शोक-संतप्त परिवारजनों के प्रति मैं गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। हमारा देश नक्सलवाद को समूल समाप्त करने के लिए संकल्पबद्ध है। उल्लेखनीय है कि नक्सलियों ने परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) का इस्तेमाल कर सुरक्षाबलों के जवानों पर बड़ा हमला किया। इस विस्फोट में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवानों को लेकर जा रहे एक वाहन को उड़ा दिया। इस नक्सली हमले में आठ जवान शहीद हो गए। इस हमले में वाहन चालक नागरिक की भी मौत हो गई। यह जवान एंटी-नक्सल ऑपरेशन से लौट रहे थे।

बलिदान व्यर्थ नहीं ...

संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। इस दु:ख को शब्दों में व्यक्त कर पाना असंभव है, लेकिन मैं विश्वास दिलाता हूं कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। हम मार्च 2026 तक भारत की भूमि से नक्सलवाद को समाप्त करके ही रहेंगे। उल्लेखनीय है कि नक्सलियों ने परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) का इस्तेमाल कर सुरक्षाबलों के जवानों पर बड़ा हमला किया। इसमें डीआरजी के 8 जवान सहित एक नागरिक ड्राइवर बलिदान हो गए। वे नक्सल विरोधी अभियान से लौट रहे थे।

जस्टिन ट्रूडो ने ...

छापने की शर्त पर कहा कि देश की संसद का सत्र 27 जनवरी से प्रस्तावित था। अब इस्तीफे के कारण संसद की कार्यवाही 24 मार्च तक स्थगित रहेगी। अधिकारी ने बताया कि 24 मार्च तक लिबरल पार्टी अपने नए नेता का चुनाव कर लेगी। सियासी उथल-पुथल के बीच यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि कनाडा में आम चुनाव कब कराए जाएंगे। वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि मैं पार्टी नेता के पद से तथा पार्टी द्वारा अगले नेता का चयन करने के बाद प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दे रहा हूं... कल रात मैंने लिबरल पार्टी के अध्यक्ष से यह प्रक्रिया शुरू करने को कहा। जस्टिस ट्रूडो 2015 में प्रधानमंत्री बने थे। उससे पहले दस साल तक कनाडा में कंजर्वेटिव पार्टी का शासन था। शुरुआत में उनकी नीतियों को सराहा गया था। लेकिन हाल के वर्षों में बढ़ती खाद्य और आवास की कीमतों और बढते आप्रवासन के कारण उनका समर्थन घट गया है। यह राजनीतिक उथल-पुथल ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर कनाडा अपने यहां अमेरिका में आने वाले अप्रवासी और नशीली दवाओं को रोकने में विफल रहा तो, कनाडा के सभी सामानों पर 25 फीसदी शुल्क लगा दिया जाएगा।

साइंटिफिक तरीके से ...

डाउनस्ट्रीम आपदा रोकथाम, शमन और जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया में योगदान देगा। यह बांध के संबंध में भारत की चिंताओं के बारे में एक सवाल के जवाब में था, जिस पर भारतीय अधिकारियों और दौरे पर आए अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलिवन के बीच बातचीत के दौरान चर्चा की गई थी। पिछले हफ्ते, भारत ने ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को मंजूरी देने पर चीन के साथ गंभीर विरोध शुरू किया था। हमने चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में यारलुंग त्संगपो नदी पर एक जलविद्युत परियोजना के संबंध में सिन्हुआ द्वारा 25 दिसंबर 2024 को जारी की गई जानकारी देखी है। नदी के पानी पर स्थापित उपयोगकर्ता अधिकारों के साथ एक निचले तटवर्ती राज्य के रूप में, हमने विशेषज्ञ-स्तर और राजनयिक चैनलों के माध्यम से, चीनी पक्ष को उनके क्षेत्र में नदियों पर मेगा परियोजनाओं पर अपने विचार और चिंताएं लगातार व्यक्त की हैं। चीनी पक्ष से आग्रह किया गया है कि ब्रह्मपुत्र के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में स्थित देशों के हितों को नदी के प्रवाह के ऊपरी क्षेत्र में गतिविधियों से नुकसान नहीं पहुचे। इससे पहले, 27 दिसंबर को विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की चीन की योजना का बचाव करते हुए कहा था कि परियोजना का नदी के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चीन नदी के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में स्थित देशों के साथ संवाद जारी रखेगा और नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लाभ के लिए आपदा निवारण व राहत पर सहयोग बढ़ाएगा।

असम के मुख्यमंत्री ...

चेतावनी दी कि बांध पूर्वोत्तर के लिए गंभीर पारिस्थितिक और आर्थिक परिणाम पैदा कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर चीन में बांध का निर्माण शुरू होता है, तो ब्रह्मपुत्र पर पनपने वाला पूरा पारिस्थितिकी तंत्र 60 फीसदी तक कम हो जाएगा। यह पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए विनाशकारी होगा। हालांकि एक विस्तृत आकलन लंबित है, प्रारंभिक रिपोर्टों ने क्षेत्र के लिए विनाशकारी परिणामों का सुझाव दिया है। शर्मा ने कहा कि हमारे पास जो प्रारंभिक रिपोर्ट है, उसमें कहा गया है कि यह बहुत विनाशकारी और विनाशकारी है। मुख्यमंत्री ने 25 और 26 फरवरी को होने वाले आगामी एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन के लिए निवेश को आमंत्रित करते हुए, असम की औद्योगिक महत्वाकांक्षाओं को उजागर करने के लिए रोड शो का भी इस्तेमाल किया।

भारत में पहले ही...

वहीं, दूसरा मामला 3 महीने की बच्ची का है, जिसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने अन्य क्षेत्रों या देशों से संक्रमण की संभावना को खारिज करते हुए कहा कि संक्रमित बच्चों और उनके परिवारों का हाल ही में कहीं भी ट्रैवल नहीं किया है, इसलिए उनकी कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) की केरल इकाई के अनुसंधान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डा. राजीव जयदेवन ने कहा कि यह वायरस कोविड-19 की तरह जानलेवा या घातक नहीं है। हां, ये जरूर है कि कुछ व्यक्तियों में फेफड़ों के संक्रमण का कारण बन सकता है। आईसीएमआर ने कहा कि इस बात पर जोर दिया जाता है कि एचएमपीवी पहले से ही भारत सहित विश्व स्तर पर प्रचलन में है और एचएमपीवी से जुड़ी श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले विभिन्न देशों में रिपोर्ट किए गए हैं। इसके अलावा, आईसीएमआर और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) नेटवर्क के वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, देश में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) या गंभीर सांस संबंधी बीमारी (एसएआरआई) के मामलों में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है। उधर, चीन में ह्यूमन मेटानिमोवायरस (एचएमपीवी) के बढ़ते मामलों के चलते स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारत स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है और इससे निपटने को पूरी तरह तैयार है। साथ ही कहा कि डब्ल्यूएचओ से भी समय पर अपडेट साझा करने का अनुरोध किया गया है।

हम हालात पर नजर ...

क्योंकि यह कोई नया रोगजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि नियमित फ्लू शॉट्स या यहां तक कि तीन कोविड वैक्सीन की खुराक व्यक्ति को इस संक्रमण से प्रतिरक्षित बनाती है। वहीं, अब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का भी बयान सामने आया है। जेपी नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है। इसकी पहचान पहली बार 2001 में हुई थी और यह कई सालों से पूरी दुनिया में घूम रहा है। एचएमपीवी श्वसन के माध्यम से हवा में फैलता है। यह सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह वायरस सर्दियों और शुरुआती वसंत महीनों के दौरान अधिक फैलता है। हालिया रिपोर्टों पर, चीन में एचएमपीवी के मामले, स्वास्थ्य मंत्रालय, आईसीएमआर और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र चीन के साथ-साथ पड़ोसी देशों की स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने स्थिति का संज्ञान लिया है और शीघ्र ही अपनी रिपोर्ट हमारे साथ साझा करेगा। नड्डा ने कहा कि आईसीएमआर और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के पास उपलब्ध श्वसन वायरस के देश के आंकड़ों की भी समीक्षा की गई है और भारत में किसी भी सामान्य श्वसन वायरल रोगजनकों में कोई वृद्धि नहीं देखी गई है।

त्रिपुरा : बस में लगी...

फटने के कारण लगी। इस मामले की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने घायल छात्रों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं इस घटना से बहुत चिंतित हूं। घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रशासन स्थिति पर नजर रख रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घायल छात्रों को तत्काल चिकित्सा सुविधा मिले। इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं। हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रारंभिक रूप से प्राप्त जानकारी के माध्यम से हम इस समाचार को निरंतर अपडेट कर रहे हैं।

कांग्रेस के विरोध के बीच असम के सीएम ने निवेशकों को लुभाने के लिए मुंबई में रोड शो का नेतृत्व किया

गुवाहाटी। कांग्रेस के कड़े विरोध के बीच, असम में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रस्तावित एडवांटेज असम 2.0 के साथ आगे बढ़ते हुए सोमवार को मुंबई में एक रोड शो किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा पिछले तीन दिनों से मुंबई में थे और उन्होंने टाटा समूह के चेयरमैन नोएल टाटा, अडानी समूह के निदेशक जीत अडानी और महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद गोपाल महिंद्रा सहित शीर्ष उद्योगपतियों से मुलाकात की। असम के मुख्यमंत्री शर्मा ने सोमवार शाम अपने एक्स हैंडल पर कहा कि आज मुंबई में *एडवांटेज असम* रोड शो में, मैंने असम को एक औद्योगिक राज्य के रूप में बदलने और 25,000 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना और प्रस्ताव पर अनुकूलित प्रोत्साहन के साथ उद्योगों के लिए लाल कालीन बिछाने की हमारी सरकार की दृष्टि रखी। 25 और 26 फरवरी को

गुवाहाटी में हमसे जुड़ें। रोड शो में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए शर्मा ने असम के तेजी से एक अग्रणी निवेश गंतव्य के रूप में बदलने पर जोर दिया तथा व्यापार अनुकूल वातावरण बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि असम रणनीतिक रूप से स्थित है और गुवाहाटी से तीन घंटे की उड़ान के भीतर, उद्योग लगभग 14 देशों में दुनिया की 30 प्रतिशत आबादी तक पहुंच सकते हैं। इस प्रकार, असम व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक आदर्श केंद्र बन गया है। यह भारत के सबसे शांतिपूर्ण स्थलों में से एक है, जो बढ़ते जीएसडीपी के साथ व्यापक विकास से गुजर रहा है। हालांकि, निवेश शिखर सम्मेलन के दूसरे संस्करण को आयोजित करने की असम सरकार की महत्वाकांक्षी योजना को विपक्षी कांग्रेस की ओर से आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसने हाल ही में 2018 में असम में आयोजित एडवांटेज असम के पहले संस्करण की उपलब्धियों पर एक श्वेत पत्र की मांग की है। असम के विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया ने कहा कि एडवांटेज असम ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले संस्करण के दौरान लगभग 1 लाख करोड़ मूल्य के 209 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन आठ उद्योगों में केवल ?6,575.84 करोड़ ही मूर्त रूप ले पाए हैं। उन्होंने कहा कि हम इस दूसरे संस्करण के आयोजन से पहले एडवांटेज असम 1.0 के परिणामों पर सरकार से एक श्वेत पत्र चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को राज्य के लोगों को यह बताना चाहिए कि हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों से कितने प्रतिशत निवेश प्राप्त हुआ है? सैकिया ने कहा कि एडवांटेज असम 1.0 से पहले असम कैबिनेट के मंत्रियों द्वारा किए गए विदेशी दौरे सभी को याद हैं। सरकार को लोगों को बताना चाहिए कि शिखर सम्मेलन और मंत्रियों और विधायकों के विदेशी दौरों पर कितना खर्च किया गया? एडवांटेज असम का दूसरा संस्करण 24 से 25 फरवरी, 2025 के लिए निर्धारित है। असम में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार एडवांटेज असम 2.0 के दूसरे संस्करण को सरकार द्वारा सबसे बड़ी निवेश प्रोत्साहन और सुविधा पहल के रूप में बढ़ावा दे रही है, जिसमें राज्य के भू-रणनीतिक लाभों और प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला गया है। कई दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ अपनी रणनीतिक निकटता के कारण, सरकार कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, पर्यटन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में राज्य की क्षमता को बढ़ावा दे रही है।

मुख्यमंत्री बड़े प्रोजेक्टों का आवंटन खास ठेकेदारों को करते हैं : प्रद्युत बरदलै

गुवाहाटी (हिंस)। नगांव से कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै ने सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर बड़े निर्माण परियोजनाओं के आवंटन में पक्षपात का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि फ्लाईओवर, मेडिकल कॉलेज और अन्य बुनियादी ढांचा विकास कार्यों के लिए केवल दो-तीन ठेकेदारों को लगातार चयनित किया जा रहा है। बरदलै आज असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) मुख्यालय में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। मीडिया को संबोधित करते हुए बरदलै ने कहा कि यह चयनात्मक रवैया राज्य की परियोजना आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल कुछ गिने-चुने ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने पर केंद्रित दिखती है, जबकि समग्र विकास को नजरअंदाज किया जा रहा है। सांसद ने इस कथित पक्षपात को पूर्वोत्तर में स्वच्छ भारत मिशन-अर्बन (एसबीएम-यू) 2.0 की चर्चा करते हुए कहा कि 2021 से अब तक केवल 19 फीसदी आवंटित धनराशि जारी की गई है।

राज्यपाल ने की डिब्रूगढ़ जिले में विकास कार्यों की समीक्षा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज डिब्रूगढ़ जिले के जिला आयुक्त और सभी विभागीय प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें सांस्कृतिक मामलों के मंत्री बिमल बोरा और ऊर्जा मंत्री प्रशांत फूकन भी मौजूद थे। बैठक के दौरान जिला आयुक्त बिक्रम कोइरी ने जिले में चल रहे विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। राज्यपाल ने पंचायत और ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, सामाजिक कल्याण, मत्स्य पालन और बागवानी विभागों की प्रगति की समीक्षा की। राज्यपाल ने जिला अधिकारियों से वृक्षारोपण प्रयासों को प्राथमिकता देने को कहा और इसे *अमृत सरोवर* से आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण से पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ हरियाली को बढ़ावा मिलेगा। आचार्य ने तपेदिक (टीबी) उन्मूलन के महत्व पर भी जोर दिया और संबंधित अधिकारियों से स्थानीय लोगों को *निक्षय मित्र* बनने के लिए प्रेरित करने को कहा, ताकि टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय अभियान में योगदान दिया जा सके। गवर्नर ने कहा कि यह पहल असम को टीबी मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बैठक के दौरान गवर्नर ने *अमृत सरोवर* के जलाशयों के संभावित लाभ को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि ये जलाशय रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं और क्षेत्र में हरियाली बढ़ा सकते हैं। उन्होंने मत्स्य पालन को

गुवाहाटी में भाजपा नेता की सड़क दुर्घटना में मौत, मामला संदिग्ध

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा के गुवाहाटी के जालुकबाड़ी मंडल अध्यक्ष कमल दे की रविवार देर रात सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। यह घटना पांडु के शंकर नगर इलाके में हुई, जब वह स्कूटर से जा रहे थे। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें स्वागत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना को लेकर पुलिस आयुक्त पार्थसारथी महंत ने जांच शुरू कर दी है, क्योंकि मामला संदिग्ध बताया जा रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने कमल दे की असामयिक मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

कोकराझाड़ जिले की पांच विधानसभाओं के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला प्रशासन ने सोमवार को जिले की पांच विधानसभा क्षेत्रों - कोकराझाड़, बौखुंगरी, दोतमा, गोसाईगांव और पर्वतझोड़ा के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी की। जिला उपायुक्त मसंदा एम. पर्टिन ने जिला उपायुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी। वर्ष 2025 के लिए अंतिम मतदाता सूची में मतदाताओं का यह विवरण प्रस्तुत किया गया है: 1. गोसाईगांव विधानसभा क्षेत्र: कुल मतदाता: 1,15,589, पुरुष मतदाता: 57,983, महिला मतदाता: 57,605, तीसरे लिंग के मतदाता: 1, 2. दोतमा (एसटी):, कुल मतदाता: 1,06,582, पुरुष मतदाता: 53,018, महिला मतदाता: 53,834, 3. कोकराझार (एसटी): कुल मतदाता: 1,44,000, पुरुष मतदाता: 70,631, महिला मतदाता: 73,367, तीसरे लिंग के मतदाता: 2, 4. बौखुंगरी: कुल मतदाता: 1,62,117, पुरुष मतदाता: 80,712, महिला मतदाता: 81,404, तीसरे लिंग के मतदाता: 1, 5. परबतझोड़ा: कुल मतदाता: 1,72,170, पुरुष मतदाता: 88,021, महिला मतदाता: 84,148, तीसरे लिंग के मतदाता: 1, जिले में कुल मतदाताओं की संख्या में 6,169 की वृद्धि हुई है। जिला उपायुक्त मासंडा एम. पर्टिन ने कहा कि अपडेटेड मतदाता सूची स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भोगाली बिहू की तैयारियों में जुटे असम के गांव

गोलाघाट (हिंस)। भोग और उत्सव का पर्व भोगाली बिहू के आगमन में अब कुछ ही दिन शेष हैं, और असम के हर गांव में तैयारियां जोरों पर हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों में भव्य भेलाघरों के निर्माण की तैयारिया शुरू हो चुकी हैं। गोलाघाट जिले के नुमलीगढ़, केंदुगुड़ी इलाके में स्थानीय लोग मिलकर पूरे हर्षोल्लास के साथ इस पारंपरिक त्योहार की तैयारियों में जुटे हुए हैं। गांव के युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी मिलकर माघ बिहू के उरूका (जिस रात सामूहिक भोज होता है) की रात के लिए मेजी (अग्नि के लिए लकड़ी का ढेर) और भेलाघर (पारंपरिक झोपड़ी) के निर्माण में व्यस्त हैं। कोई लकड़ी काट रहा है, तो कोई नरा (खर) की व्यवस्था कर रहा है। इसी बीच, उत्साह से भरपूर युवतियां और महिलाएं बीच-बीच में पारंपरिक बिहू गीत गाकर नृत्य कर रही हैं। इस तरह से हर कोई पूरे जोश और उत्साह के साथ भोगाली बिहू का स्वागत करने की तैयारियों में जुटा है। गोलाघाट के मेरापानी क्षेत्र के पद्मपुर गांव में भी भोगाली बिहू की तैयारियां चरम पर हैं। यहां के अमर ज्योति युवा संघ ने इस बार सामूहिक रूप से गांव में भोगाली उत्सव का आयोजन किया है। कुछ युवक मेजी के लिए लकड़ी जुटाने में व्यस्त हैं, तो कुछ भेलाघर का निर्माण कर रहे हैं। वहीं, गांव के युवा बिहू गीत गाकर नृत्य करते हुए उत्सव को लेकर अपनी खुशी प्रकट कर रहे हैं। युवतियां और महिलाएं भी बिहू गीत गाते हुए नृत्य कर रही हैं, जिससे पूरे गांव में खुशी और उमंग का माहौल बना हुआ है। बुजुर्ग महिलाएं और माताएं भी इस पारंपरिक पर्व को लेकर उत्साहित हैं। कोई बिहू गीत गा रही है, तो कोई पारंपरिक व्यंजनों की तैयारी में जुटी हुई है। अमर ज्योति युवा संघ द्वारा दो दिनों तक चलने वाले इस भोगाली उत्सव में कई पारंपरिक खेलों और प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। भोगाली बिहू, जिसे माघ बिहू भी कहा जाता है, असम का एक प्रमुख पर्व है, जिसमें सामूहिक भोज, नृत्य, पारंपरिक खेल और हर्षोल्लास से भरपूर गतिविधियों के माध्यम से खुशी का इजहार किया जाता है। पूरे असम में इस समय भोगाली बिहू को लेकर जोश और उत्साह का माहौल है।

बाघ के डर से प्रशासन असम के गांव में स्कूली बच्चों के लिए सुरक्षा का इंतजाम करेगा

कलियाबार। सोमवार को नागांव जिले के कलियाबार उपखंड के अंतर्गत तिमोना बस्ती इलाके में एक अनोखा नजारा देखने को मिला। बंदूकधारी असम पुलिस कर्मियों ने करीब 25 बच्चों को उनके स्कूल पहुंचाया। जी हां, पास के जंगल से भटककर आए बाघ के हमले के डर से नागांव जिला प्रशासन ने तिमोना बस्ती के बच्चों को सुरक्षित स्कूल पहुंचाने के लिए सुरक्षाकर्मियों की व्यवस्था की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से बच्चे स्कूल नहीं जा रहे थे। एक अभिभावक ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से इलाके में बाघ के घूमते देखे जाने के बाद से ज्यादातर अभिभावकों ने अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया है। असम सरकार द्वारा राज्य भर में सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एक बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे कार्यक्रम *गुणोत्सव* के तहत सोमवार को स्कूल में बच्चों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई। एक पुलिस कर्मी ने कहा कि आज बच्चों की उपस्थिति अनिवार्य है क्योंकि आज से गुणोत्सव शुरू हो गया है। तिमोना बस्ती के बच्चों को तिमोना बस्ती एलपी स्कूल तक पहुंचने के लिए एक चाय बागान से होकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों में डर है कि बाघ बच्चों पर हमला कर सकता है, इसलिए हम बच्चों को स्कूल ले जाने के लिए यहां आए हैं। स्कूल खत्म होने के बाद हम उन्हें घर छोड़ देंगे। बाघ के हमले का डर इस तथ्य से उपजा है कि स्थानीय लोगों ने कुछ दिन पहले इस क्षेत्र में एक रॉयल बंगाल टाइगर देखा था। तिमोना बस्ती गांव कामाख्या रिजर्व फॉरेस्ट के करीब स्थित है। इस क्षेत्र में बहुत सारे चाय के बागान हैं और कभी-कभी बाघ भटक जाते हैं क्योंकि ये सभी उनके गलियारे हैं। कुछ दिन पहले रॉयल

बंगाल टाइगर में से एक भटक गया और स्थानीय लोगों ने उसे देखा। हालांकि बाघ अब जंगल से बाहर नहीं है, लेकिन स्थानीय लोगों को समझाना मुश्किल है और हमें आज बच्चों के लिए सुरक्षा की व्यवस्था करनी पड़ी, सलोना वन रेंज के रेंजर बिभूति मजूमदार ने कहा। उन्होंने कहा कि हमने गश्त की व्यवस्था की है और क्षेत्र में अलर्ट जारी कर दिया है। जब भी हमें बाघ दिखने की सूचना मिलती है, हम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए टीमें भेजते हैं। इलाके के एक अभिभावक ने कहा कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। हम लंबे समय से बाघों के डर में जी रहे हैं। हम पिछले कुछ दिनों से अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज रहे हैं, क्योंकि बाघ अभी भी इलाके में घूम रहा है। कलियाबर क्षेत्र में आस-पास के जंगलों से बाघों के भटकने की कई घटनाएं देखी गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। पिछले महीने, कलियाबोर के एक चाय बागान से एक व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया था और संदेह था कि उस व्यक्ति को आवारा बाघों ने मार डाला था। कलियाबर क्षेत्र काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और ओरंग राष्ट्रीय उद्यान के बीच में आता है और दोनों उद्यानों के वन्यजीव अक्सर प्रवास के लिए कलियाबर क्षेत्र से होकर गुजरते हैं।

पूर्वोत्तर की स्थिति वर्ष 2014 के बाद बेहतर हुई : राजीव रंजन

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने सोमवार को मां कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की। वह पूर्वोत्तर राज्यों के विभागीय मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए यहां पहुंचे हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने पूर्वोत्तर को देश का हृदय बताते हुए कहा कि वर्ष 2014 के बाद से यहां की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर राज्यों में हर क्षेत्र में प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन और पशुपालन जैसे उनके विभागों में भी चार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। आज यहां होने वाले सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री उत्पादन को और बढ़ाने के उपायों पर चर्चा करेंगे।

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा गुवाहाटी ने मनाया प्रकाश पर्व

गुवाहाटी (विभास)। राज्य भर के साथ महानगर में प्रकाश पर्व गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा फैंसी बाजार की ओर से मनाया गया। सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह की 358वीं जयंती को प्रकाश पर्व के रूप में हर्षोल्लास से मनाया गया। इसी कडी में महानगर के गोपीनाथ नगर गुरुद्वारा को विद्युत रोशनी से सजाया गया। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा फैंसी बाजार की अध्यक्ष कंवल कौर ने बताया कि प्रकाश पर्व के पूर्व रविवार को महानगर में नगर कीर्तन शोभायात्रा निकली गई। जिसमें यह नगर कीर्तन गोपीनाथ नगर गुरुद्वारा से निकलकर नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई वापस गोपीनाथ नगर गुरुद्वारा परिसर में पहुंची। प्रकाश पर्व के अवसर पर गोपीनाथ नगर गुरुद्वारा में रागी जत्था व कथा की ओर से अखंड पाठ व कीर्तन का आयोजन भी किया गया। एवं लंगर में सभी श्रद्धालुओं में लंगर चखा।

रंगिया : गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक

गुवाहाटी (विभास)। देशभर में आगामी 26 जनवरी को यानी गणतंत्र दिवस के जश्न का सभी को बेसब्री से इंतजार है, इसी कड़ी में रंगिया सम-जिला प्रशासन भी आगामी गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों में जुट गया है। इसके अंतर्गत आज सम-जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। सम-जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में दोपहर दो बजे आयोजित इस बैठक में रंगिया सम जिले के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस प्रशासन, सैन्य और अर्धसैनिक बलों के प्रतिनिधि व विशिष्ट गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में आगामी गणतंत्र दिवस समारोह और इस संबंध में विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को समय पर पूरा करने के लिए विभिन्न विभागों को औपचारिक रूप से जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं तथा गणतंत्र दिवस समारोह के तहत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूप रेखा तैयार की गई।

बैठक में सम जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी ने आगामी गणतंत्र दिवस को उत्साह और सफलता के साथ मनाने के लिए सभी से अपने कर्तव्यों को ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ निभाने का आह्वान किया। बैठक में सम जिले के विभिन्न विभागों के शीर्ष अधिकारी, सैन्य और अर्धसैनिक बल सहित महकमा पुलिस अधिकारी विश्वजीत डेका, रंगिया के चक्राधिकारी देवाशीष बरठाकुर, रंगिया पौरसभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, रंगिया सम जिला के सहायक आयुक्त क्रमशः अनुपम बोड़ो, जिलजिली थाओसेन, कृतांजलि कश्यप समेत स्वेच्छा सेवी संस्था साधना के सचिव ज्योतिष कलिता और जिला प्रशासन के कई अधिकारी और गणमान्य लोग शामिल रहे।

बलिदानी कैप्टन जिंटू गोगोई की याद में फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

डिब्रूगढ़ (हिंस)। जिला के दुलियाजान में शहीद कैप्टन जिंटू गोगोई वीर चक्र की याद में सोमवार को 20वें फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। ऑयल इंडिया लिमिटेड के मुख्य आवासीय अधिकारी रूपज्योति फुकन ने दुलियाजान के नेहरू मैदान में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। सोमवार को ऑयल इंडिया एफसी बनाम ऊपरी असम एफसी के बीच मैच खेला गया। ऑयल इंडिया एफसी ने ऊपरी असम एफसी से 5-0 के अंतर से प्रतियोगिता जीती। टूर्नामेंट का फाइनल मैच आगामी 11 जनवरी को दुलियाजान के नेहरू मैदान पर होगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना के बलिदानी जिंटू गोगोई की याद में यह फुटबॉल टूर्नामेंट किया जाता है।

जेसीआई गुवाहाटी पाथफाइंडर्स ने *सुदृष्टि* पांचवा प्रतिष्ठापन और चौथा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया

गुवाहाटी। (विभास)। जेसीआई गुवाहाटी पाथफाइंडर्स ने होटल औसम पैलेस में *सुदृष्टि* अपना पांचवा प्रतिष्ठापन समारोह और चौथा पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया। शाम के दौरान वर्ष 2024 के निवर्तमान अध्यक्ष जेसी शुभम कांकरिया ने अपनी अध्यक्षीय प्रतिवेदन प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने अपनी संस्था और सदस्यों द्वारा किए गए कार्यों को उजागर किया। उन्होंने वर्ष में योगदान के लिए संस्था के मेहनती सदस्यों को पुरस्कार भी प्रदान किए। आगामी अध्यक्ष 2025 जेसी मिनाक्षी दम्मानी ने अपनी टीम के साथ शपथ ली, और अपने स्वीकृति भाषण में जेसीआई की भूमिका और इसके सदस्यों को अपने विकास में महत्व दिया। उन्होंने वंचित ग्रामीण लोगों की मदद करने, संस्था की ताकत बढ़ाने

और अधिक प्रशिक्षण आयोजित करने की अपनी दृष्टि को रेखांकित किया। उन्होंने जेजे ट्रेलफाइंडर्स, अपने कनिष्ठ वर्ग के नए अध्यक्ष और सचिव को भी शपथ दिलाई। शाम के मुख्य अतिथि जेसी गुंजन हरलालका, क्षेत्रीय अध्यक्ष थी। विशिष्ट अतिथि जेसी राजेश गांगवाल, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष और संस्था के उपदेशक थे। हमारे नियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जेसी सुमित पोद्दार विशेष आमंत्रित थे। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्ति, अन्य अध्याय, दोनों अध्यक्षों के परिवार के सदस्य, और मीडिया के सदस्यों ने भी भाग लिया। तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष 2024 प्रिया तिवारी ने अपने विदाई भाषण में अपनी जेसीआई यात्रा को याद किया, और दोनों अध्यक्षों को प्रोत्साहन के शब्द दिए। आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी बुद्धिमत्ता के शब्दों से हमें रौशन किया और अपनी दृष्टि और अपेक्षाओं को रखा। सुमित पोद्दार ने 2024 में पाथफाइंडर्स की सफलता को याद किया, और नए टीम को विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया, और अपना समर्थन आश्वस्त किया।

No.KMB.4/6th FC/2023-24/2024/05 *Dated Kajalgaon, the 06th Jan., 2025.*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

SEALED tender in specified Group wise Tender Form supplied by the undersigned affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs. **8.25** (Rupees eight and paisa twenty-five) only are invited from the intending experience Govt. Registered contractors. The tender will be received by the undersigned for the following work schemes under **award of 6th ASFC Specific Grant –in Aid to ULB for the year 2020-21 during 2023-24** up to **1.00 p.m. on 17th Jan, 2025** and will be opened on the same date, hours and place in presence of the tendered or their authorized representative.

If the office will remain closed on that particular day, the next working day will be the last day of receiving & opening of tender in the same date, hours & place for which no separate communication will be made.

SCHEDULE

GROUP NO.	NAME OF SCHEME	ESTIMATED VALUE (Rs.)	EARNEST MONEY (Rs.)	TIME OF COMPLETION
1.	Construction of Drain of Boundary Wall at newly identified land fill site at chatiborgaon (phase-1)	16,00,000.00	32000.00	90 days
2.	Construction of Drainage System from L.P. School to Manoj ch. Boro at Kukurmari Ward No. 3 (Phase-1)	10,00,000.00	20000.00	90 days

Detailed terms and Conditions, plan and Estimate of the works may be obtained from the office of the undersigned during the office hours on all working days up to **11.00 a.m. on 17th Jan, 2025.**

Sd/-Chairman,
Kajalgaon Municipal Board

IPR(BTC)/C/2024-25/1257

संपादकीय

चीन में कोरोना-सा वायरस!

क्या चीन में एक बार फिर कोरोना वायरस अथवा उसके जैसा ही खतरनाक, जानलेवा वायरस फैला है? चीन खामोश क्यों है? क्या चीन इस बार भी संक्रमण के विस्फोट और विस्तार को छिपाए रखेगा? भारत सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से इन सवालों के स्पष्टीकरण मांगे हैं। क्या यह संगठन पुष्टि करेगा कि चीन में किस तरह का संक्रमण फैला है और वह भारत सरीखे पड़ोसी देशों के लिए कितना भयावह साबित हो सकता है? भारत का 'नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) देश में सांस और मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों पर करीबी नजर रखे है। संयुक्त निगरानी समिति जांच कर रही है कि देश पर किसी तरह के वायरस का प्रभाव शुरू हुआ है या नहीं! अलबत्ता जनता को आश्वस्त किया जा रहा है कि फिलहाल चिंता और दहशत की स्थिति नहीं है। चीन में 'ह्यूमन मेटापन्यूमो वायरस' (एचएमपीवी) के संक्रमण फैलने की खबर ही पुष्टि हुई है। यह वायरस भी कोरोना महामारी के वायरस जैसा ही बताया जा रहा है। टीवी चैनलों पर कुछ वीडियो सार्वजनिक हुए हैं, जिनमें चीन के अस्पताल खचाखच भरे दिखाई दे रहे हैं। भीड़ का सैलाब उमड़ा है। लोगों ने मास्क पहने हुए हैं। कुछ चीख-पुकार और कुछ बदहवासी का माहौल दिख रहा है। ऐसी भी सूचनाएं सार्वजनिक हुई हैं कि चीन में वायरस से मौतों का सिलसिला भी शुरू हो चुका है, लेकिन अभी तक कोई भी आंकड़ा घोषित या सत्यापित नहीं किया गया है। चीन सरकार इस बार भी खामोश है। चीन ने अपने यहां फ्लू के बड़े प्रकोप की खबरों को खारिज किया है। उसका यह रवैया नवंबर, 2019 में भी लगभग यही था, जब कोरोना वायरस का पहला केस, चीन के ही वुहान शहर में, सामने आया था। तब उसे 'रहस्यमयी निमोनिया' करार दिया गया था। चीन में ही कोरोना से हुई पहली मौत भी दर्ज की गई थी। कोरोना वैश्विक महामारी दुनिया भर ने झेली और 71 लाख से अधिक मौतें हुईं। भारत में भी करीब 5.5 लाख लोग कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण मारे गए। इस त्रासदी को 'अभूतपूर्व' माना गया। दुनिया में गैर-सरकारी संगठनों और एजेंसियों ने मौत के आंकड़े कई गुना अधिक बताए थे। बहरहाल कोरोना संक्रमण के तनाव, भय, दंश, मौतों से लेकर आर्थिक तालाबंदी का वह दौर इतना भयावह था कि हम भूल नहीं सकते। भूलना भी नहीं चाहिए। बहरहाल चीन खुद को एक किले में बंद रखता आया है। वहां सामान्य मीडिया, सोशल मीडिया ही नहीं, लोगों पर भी पाबंदियां हैं कि वे किसी भी तरह की सूचना को सार्वजनिक नहीं कर सकते। जो कहना है, वह चीन सरकार ही कहेगी। वहां जो वायरस फैला है, उसके लक्षण भी कोरोना सरीखे ही हैं। लोगों में तेज बुखार देखा जा रहा है। फेफड़ों में संक्रमण और सांस लेने में परेशानी की खबरें भी आई हैं, लेकिन चीन में इस वायरस का प्रभाव कुछ अलग देखा जा रहा है कि संक्रमण 5 साल की उम्र से छोटे बच्चों में फैल रहा है। कोरोना संक्रमण से बच्चे प्रभावित नहीं हुए थे। उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता जन्म से ही मजबूत आंकी गई थी। कोरोना संक्रमण के शिकार बड़ी उम्र के लोग और अधिकतर बुजुर्ग लोग ही हुए। चीन ने अभी तक सांस संबंधी सामान्य संक्रमण को ही स्वीकार किया है। वहां के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा बिलकुल सुरक्षित है। प्रवक्ता के मुताबिक, सर्दियों के मौसम में संक्रमण चरम पर होता है, लेकिन बीते वर्ष की तुलना में बीमारियां छोटे स्तर पर ही फैल रही हैं। बहरहाल अब दायित्व विश्व स्वास्थ्य संगठन का है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पष्ट करे कि चीन में कोरोना सरीखे वायरस की मौजूदा स्थिति क्या है।

चीन में 'ह्यूमन मेटापन्यूमो वायरस' (एचएमपीवी) के संक्रमण फैलने की खबर ही पुष्टि हुई है। यह वायरस भी कोरोना महामारी के वायरस जैसा ही बताया जा रहा है। टीवी चैनलों पर कुछ वीडियो सार्वजनिक हुए हैं, जिनमें चीन के अस्पताल खचाखच भरे दिखाई दे रहे हैं। भीड़ का सैलाब उमड़ा है। लोगों ने मास्क पहने हुए हैं। कुछ चीख-पुकार और कुछ बदहवासी का माहौल दिख रहा है। ऐसी भी सूचनाएं सार्वजनिक हुई हैं कि चीन में वायरस से मौतों का सिलसिला भी शुरू हो चुका है, लेकिन अभी तक कोई भी आंकड़ा घोषित या सत्यापित नहीं किया गया है। चीन सरकार इस बार भी खामोश है। चीन ने अपने यहां फ्लू के बड़े प्रकोप की खबरों को खारिज किया है। उसका यह रवैया नवंबर, 2019 में भी लगभग यही था, जब कोरोना वायरस का पहला केस, चीन के ही वुहान शहर में, सामने आया था। तब उसे 'रहस्यमयी निमोनिया' करार दिया गया था। चीन में ही कोरोना से हुई पहली मौत भी दर्ज की गई थी। कोरोना वैश्विक महामारी दुनिया भर ने झेली और 71 लाख से अधिक मौतें हुईं। भारत में भी करीब 5.5 लाख लोग कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण मारे गए।

बीते वर्ष में यद्यपि शहरी बेरोजगारी में कमी आई, लेकिन असंगठित सेक्टर में रोजगार के मौके घट गए

नए वर्ष में बेहतर होगी आर्थिकी

डा. जयंतीलाल भंडारी

नए वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था बीते वर्ष 2024 से मिली आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए आगे बढ़ेगी और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होगी। यदि हम नए वर्ष 2025 को बीते वर्ष 2024 से मिलने वाली आर्थिक विरासत को देखें तो पाते हैं कि इस विरासत में जहां कई चुनौतियां हैं, वहीं विकास के कई मजबूत आर्थिक आधार भी हैं। यद्यपि बीते वर्ष 2024 की शुरुआत 8 फीसदी विकास दर के साथ हुई थी, लेकिन बीते वर्ष की जुलाई से सितंबर की तिमाही में महज 5.4 फीसदी की विकास दर के कारण कई आर्थिक गणित गडबड़ा गए। बीते वर्ष में भारत के आर्थिक परिदृश्य पर प्रमुखतया महंगाई तथा रोजगार चिंताजनक मुद्दे रहे हैं।

यकीनन वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संगठनों के द्वारा नए वर्ष 2025 की आर्थिक संभावनाओं पर प्रकाशित विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक नया वर्ष 2025 भारत के लिए उजली आर्थिक संभावनाओं वाला वर्ष होगा। नए वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था बीते वर्ष 2024 से मिली आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए आगे बढ़ेगी और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होगी। यदि हम नए वर्ष 2025 को बीते वर्ष 2024 से मिलने वाली आर्थिक विरासत को देखें तो पाते हैं कि इस विरासत में जहां कई चुनौतियां हैं, वहीं विकास के कई मजबूत आर्थिक आधार भी हैं। यद्यपि बीते वर्ष 2024 की शुरुआत 8 फीसदी विकास दर के साथ हुई थी, लेकिन बीते वर्ष की जुलाई से सितंबर की तिमाही में महज 5.4 फीसदी की विकास दर के कारण कई आर्थिक गणित गडबड़ा गए। बीते वर्ष में भारत के आर्थिक परिदृश्य पर प्रमुखतया महंगाई तथा रोजगार चिंताजनक मुद्दे रहे हैं। महंगाई के मोर्चे पर मुश्किलें लगभग अधिकांश महीनों में बनी रहीं। खासतौर से नवंबर 2024 के बाद एक बार फिर थोक एवं खुदरा महंगाई बढने लगी और महंगाई रिजर्व बैंक के निर्धारित दायरे से बाहर रही। बीते वर्ष में यद्यपि शहरी बेरोजगारी में कमी आई, लेकिन असंगठित सेक्टर में रोजगार के मौके घट गए। बीते वर्ष में विदेश व्यापार घाटा भी बढ़ा। बीते हुए वर्ष में रुपया वर्षभर लुढक़ता रहा। वर्षभर डॉलर की तुलना में रुपए की कीमत घटती गई और दिसंबर 2024 में डॉलर के मुकाबले रुपया लुढक़कर 85 से भी नीचे के स्तर पर पहुंच गया। वर्ष 2024 में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भी कभी कमी तो कभी वृद्धि होती रही। दिसंबर 2024 में विदेशी मुद्रा कोष घटते हुए करीब 652 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। निश्चित रूप से नए वर्ष 2025 को पिछले बीते वर्ष से आर्थिक विकास के ठोस आधार भी मिले हैं। अर्थविशेषज्ञ एक मत से कारोबारी और वित्तीय ऊंचाई को लेकर आशावादी हैं और वे विकास मूलक संकेत देते हुए देश की मजबूत बैलेंस शीट प्रस्तुत कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि कृषि, खनन, निर्माण तथा औद्योगिक उत्पादन को तेज रफ्तार मिलेगी। नई द्विपक्षीय व्यापार वार्ताएं व नए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) आकार लेते हुए दिखाई देंगे। खासतौर से सीमेंट, इलेक्ट्रिसिटी, होटल, ट्रांसपोर्ट, ऑटो मोबाइल, फॉर्मा, केमिकल, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, ई-कॉमर्स, बैंकिंग, मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, सायबर

सिक्योरिटी, आईटी, टूरिज्म, रिटेल ट्रेड आदि क्षेत्रों में तेज विकास होगा। इससे रोजगार और स्वरोजगार के मौके बढ़ते हुए दिखाई देंगे। नए वर्ष 2025 में सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंचते हुए दिखाई देंगे। साथ ही सोना, चांदी के भावों की नई उड़ान भी दिखाई देगी। गौरतलब है कि नए वर्ष 2025 में स्थानीय और घरेलू बाजार की मजबूती अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी। पिछले 10 साल में देश जिस तेजी से आत्म निर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ आगे बढ़ा है, उससे नए वर्ष में देश अधिक लाभान्वित होगा। डेलॉइट इंडिया की इंडियाज होम एंड हाउसहोल्ड मार्केट रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का घरेलू बाजार 10 फीसदी से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ेगा और इस तेज गति से वर्ष 2030 तक भारत का घरेलू बाजार लगभग 237 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निश्चित रूप से नए वर्ष में देश के कोने-कोने में मेक इन इंडिया अभियान की शक्ति बढ़ेगी। साथ ही भारत दुनिया में सबसे अधिक मांग वाला तीसरा बड़ा विनिर्माण गंतव्य भी उभरकर दिखाई देगा। देश में चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए लागू प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के और अधिक अच्छे परिणाम मिलते हुए दिखाई देंगे। निस्संदेह नए वर्ष 2025 में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। देश में कृषि उन्नयन, खेती में नवाचार को प्रोत्साहन देने, लागत को कम करते हुए उत्पादन के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने का अभूतपूर्व अभियान आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। इसमें कोई दोमत नहीं है कि सरकार को बीते हुए वर्ष से जो बेहतर मानसून विरासत में मिला है, उससे नए वर्ष में ग्रामीण अर्थव्यवस्था रफ्तार से बढ़ेगी, ग्रामीण इलाकों में खपत भी बढ़ेगी। देश में कृषि क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ेगा। ज्ञातव्य है कि फसल वर्ष 2023-24 में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 32.22 करोड़ टन के स्तर पर पहुंच गया। वर्ष 2023-24 में गेहूं और चावल का अधिक उत्पादन हुआ है। गेहूं का रिकॉर्ड उत्पादन 1132.92 लाख टन और चावल का उत्पादन 1378.25 लाख टन के स्तर पर पहुंच गया। यह अनुमान किया गया है कि सरकार की नई कृषि विकास रणनीति से नए वर्ष में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाएगा। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि नए वर्ष 2025 में भारत में कर संग्रह में तेज वृद्धि होगी। उद्योग-कारोबार में बेहतरी से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में वृद्धि होगी। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल से नवंबर 2024 के बीच जीएसटी संग्रह पिछले वर्ष की इस अवधि के मुकाबले 9 फसदी बढक़र 14.56 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसी प्रकार मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में बीते हुए वर्ष से अधिक आयकर रिटर्न और अधिक आयकर प्राप्ति का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 7.28 आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। इसमें कोई दो मत नहीं है कि नए वर्ष में दुनिया की तेज बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के तहत बढ़ते उद्योग-कारोबार, सर्विस सेक्टर, शेयर बाजार और मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति की नई ऊंचाइयों के कारण देश में टैक्स संग्रहण में तेज वृद्धि होगी। वस्तुतः कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ेगी। सरकार की मु_यों में बढ़ता कर राजस्व अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करेगा। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि नए वर्ष में निर्यात और विदेशी निवेश की संभावना बढ़ेगी। सरकार की वित्तीय नियंत्रण की नीतियों से नए वर्ष 2025 में भारत राजकोषीय घाटा नियंत्रण में सफल रहते हुए दिखाई देगा। हम उम्मीद करें कि जनवरी 2025 में ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका द्वारा चीन पर भारी व्यापार प्रतिबंधों की संभावना से भारत के नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश बनने की संभावना बढ़ेगी। नए वर्ष में भारतीय शेयर बाजार की राह कठिन नहीं होगी, शेयर बाजार को सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंचाने में घरेलू फंडों की अहम भूमिका होगी और कारपोरेट आय को बढ़ावा मिलेगा। हम उम्मीद करें कि नए वर्ष 2025 में सरकार के द्वारा आर्थिक और वित्तीय सुधारों, कृषि सुधारों, मेक इन इंडिया, निर्यात बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों की आमदनी बढ़ाने के रणनीतिक प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

दृष्टि कोण

स्कूल ड्रॉप आउट समस्या और उसका समाधान

भारत में हर साल स्कूल ड्रॉप आउट एक प्रमुख समस्या है, जो शिक्षा प्रणाली और समाज दोनों के लिए चिंता का विषय है। यह समस्या बच्चों के व्यक्तिगत और सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। हिमाचल प्रदेश, जो अपनी उच्च साक्षरता दर और शिक्षा के प्रति समर्पण के लिए जाना जाता है, भी इस समस्या से पूरी तरह अछूता नहीं है। हालांकि राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्त्वपूर्ण प्रगति की है, फिर भी स्कूल छोडऩे वाले छात्रों की संख्या में कमी लाने के लिए अभी भी कई चुनौतियां बनी हुई हैं। शिक्षा मंत्रालय की यू-डीआईएसई प्लस रिपोर्ट 2023-24 का बड़ा खुलासा हुआ है। देशभर में स्कूली शिक्षा के नामांकन में 37 लाख से अधिक की गिरावट आई है। सबसे अधिक असर माध्यमिक स्तर पर पड़ा है। यह गिरावट एससी, एसटी, ओबीसी और लड़कियों के वर्ग में सबसे अधिक है। हिमाचल प्रदेश में 4.60 प्रतिशत ड्रॉप रेट है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का जोर स्कूल छोडऩे वालों की संख्या को कम करना और उन्हें वापस स्कूलों में लाना है। हालांकि, इस रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रिपरेटरी स्तर पर 3.7 प्रतिशत और मिडिल स्कूल तक आते-आते 5.2 प्रतिशत बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं। सेकेंडरी स्तर पर यह प्रतिशत बढक़र 10.9 हो जाता है। अलग-अलग कारणों से छात्र 9वीं से 12वीं के बीच सबसे ज् यदा स्कूल से ड्रॉप आउट होते हैं। हिमाचल प्रदेश में स्कूल ड्रॉप आउट की समस्या के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं। आर्थिक स्थिति एक प्रमुख कारण है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां परिवार अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए बच्चों को स्कूल से हटाकर मजदूरी करने के लिए मजबूर कर देते हैं। लड़कियों के ड्रॉप आउट का एक बड़ा कारण पारंपरिक सामाजिक मान्यताएं और विवाह की कम उम्र में जिम्मेदारी का बोझ है। इसके अलावा, स्कूलों की दूरियां और उच्च विद्यालय स्तर पर विज्ञान, गणित और अन्य विषयों के शिक्षकों की कमी भी बच्चों को स्कूल छोडऩे के लिए मजबूर करती है। समग्र शिक्षा कार्यक्रम की 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में औसत ड्रॉप आउट दर 12.6 प्रतिशत है, जिसमें बिहार, आंध्र प्रदेश, असम, गुजरात, कर्नाटक, मेघालय और पंजाब जैसे राज्यों में यह दर अधिक है। स्कूल छोडऩे के प्रमुख कारणों में शिक्षा की बढ़ती लागत, निजी स्कूलों की उच्च फीस, शिक्षकों की कमी, स्कूलों की खराब अवस्थापना और ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की दूरी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त छात्रों के फेल होने, अनुशासनात्मक कार्रवाइयों, और परिवार की आर्थिक स्थिति भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस समस्या के समाधान के लिए सबसे पहले शिक्षा की लागत कम करना होगा। सरकारी स्कूलों में मुफ्त या सस्ती शिक्षा प्रदान करना, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे शिक्षा से वंचित न रहें। शिक्षकों की संख्या बढ़ाना, शिक्षकों की स्थाई भर्ती में तेजी लाना और उनकी गुणवत्ता में सुधार करना, ताकि छात्रों को बेहतर शिक्षा मिल सके। स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूल भवनों की मरम्मत, आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता, इंटरनेट, खेल मैदान और सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था करना इत्यादि। शिक्षा के महत्त्व के बारे में समुदायों में जागरूकता फैलाना, ताकि माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित हों। इन प्रयासों के माध्यम से हिमाचल प्रदेश में स्कूल ड्रॉप आउट की समस्या को कम किया जा सकता है, जिससे शिक्षा का स्तर और समग्र विकास में सुधार होगा। फिनलैंड देश ने स्कूल ड्रॉप आउट को रोकने के लिए प्रभावी नीतियां बनाई हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली व्यक्तिगत विकास और समग्र शिक्षा पर जोर देती है। फिनलैंड में मुफ्त शिक्षा, व्यक्तिगत शिक्षण सहायता और कक्षाओं में कम छात्र संख्या जैसी विशेषताएं शामिल हैं। इसके अलावा कमजोर छात्रों के लिए अतिरिक्त सहायता और परामर्श सेवाएं उपलब्ध हैं। ये नीतियां सुनिश्चित करती हैं कि हर छात्र को सीखने का समान अवसर मिले और ड्रॉप आउट दर न्यूनतम बनी रहे।

कुछ अलग

ताकि बाल मन रहे सुरक्षित

निस्संदेह डिजिटल दौर ने बच्चों के जीवन को गहरे तक प्रभावित किया है। आज सोशल मीडिया युवाओं के संवाद का अभिन्न माध्यम बन गया है। लेकिन इसके साथ तमाम तरह के जोखिम भी जुड़े हैं, जिनसे किशोरों को बचाने की सख्त जरूरत है। भारत में वर्ष 2023 में लाए गए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा एक सराहनीय कदम है। दुनिया के विभिन्न देशों में ऐसे कानून पहले से ही मौजूद हैं। यूरोपीय संघ के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन के लिये सोलह साल से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिये माता-पिता की सहमति अनिवार्य है। वहीं यूएस चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट में 13 वर्ष के उपयोगकर्ताओं के लिये कड़े नियम लागू किए गए हैं। दरअसल, इन कानूनों का मकसद नाबालिगों को साइबर बुलिंग, शोषण व गोपनीयता के उल्लंघन से बचाना है। भारतीय कानून में भी इन नियमों का ध्यान रखा गया है। दरअसल, इन प्रावधानों की जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही है कि पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को बताया। दरअसल, भारत के प्रस्तावित नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता-पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को फुलप्रूफ बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। इस दिशा में स्थायी परिवर्तन के लिये माता-पिता, शिक्षक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर तालमेल बनाना वक्त की जरूरत है। साथ ही बच्चों को विवेकशील बनाने की दिशा में पहल की जानी चाहिए ताकि वे अपना भला-बुरा समझ सकें। इस दिशा में निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों की सजगता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह एक गंभीर विषय है और गंभीरता के साथ चुनौती का सामना करने की जरूरत बताता है।

देश दुनीया से

जरूरत है मृत्युदंड पर पुनर्विचार की

यमन में मृत्युदंड की सज़ा सुनाई भारतीय महिला को बचाने के यत्नों के दौरान हमें यह सोचना चाहिए कि क्या हम को कठोरतम दंड यानी फांसी की सजा देना जारी रखना चाहिए। निमिशा प्रिया नामक नर्स को हत्या का दोषी पाया गया है। उस पर इल्जाम है कि उसने कथित तौर पर पीड़ित (जो कि उसे जानता था) को जेल में मुलाकात के दौरान नशे का इंजेक्शन लगाया था। उसके मृत्यु दंड को रोकने के प्रयास अब तक विफल रहे हैं। एक अंतिम मौका यही बचा था कि मृतक के परिवार को 'खून की कीमत' की पेशकश करना और माफी मांगना। 'खून-माफी' की यह राशि 40,000 डॉलर (लगभग 34 लाख रुपये) आंकी गई है। यह रकम पूरी तो नहीं लेकिन इसका बड़ा हिस्सा नर्स के परिवार द्वारा एक वकील के पास जमा करवा दिया गया है। ऐसा लगता है कि वित्तीय मुआवजे की पेशकश को मान लिया गया है। अब केवल क्षमा-दान का बेसब्री से इंतजार है। हमारी सरकार परिवार की सहायता के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पर हम तो हमेशा से यही कहते आए हैं कि 'कानून को अपना काम करने दें', और इस महिला के मामले में भी यही लागू है। तो फिर हमारी सरकार उसकी मौत की सजा टालने के लिए मदद क्यों कर रही है? क्या इसलिए कि सरकार का मानना है कि वह दोषी नहीं है या उसे निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिली? क्या इसलिए कि वह एक भारतीय है और सरकार एक भारतीय नागरिक की जान बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी? क्या इसलिए कि सरकार को लगता है कि सज़ा बहुत कठोर है? कारण चाहे जो भी हो, मदद प्रदान करने के लिए सरकार की सराहना की जानी चाहिए। लेकिन इस मामले से सरकार को हमारी कानून की किताबों में मृत्युदंड की आवश्यकता पर विचार करना बनता है। आखिरकार, जब हम किसी व्यक्ति को फांसी देते हैं, तब भी तो हम एक भारतीय नागरिक की जान ले रहे होते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उस भारतीय को हमारे अपने देश में फांसी दी जाए या विदेशी धरती पर। यह भी सच है कि हमारी अदालतें मृत्युदंड देने में सतर्क और बेहद सावधान रहती हैं -वे ऐसा दुर्लभतम मामलों में ही करती हैं। लेकिन क्या अभियोजन पक्ष के लिए मृत्युदंड की मांग करने से बचना उचित नहीं होगा? किसी व्यक्ति को फांसी देने से क्या उद्देश्य पूरा हो जाता है? मृत्युदंड पर चर्चा करने पर सामान्य उत्तर यही आता है कि जघन्यतम अपराधों के विरुद्ध ऐसा एक निवारक डर होना जरूरी है। दुर्भाग्य से, इस तर्क का समर्थन करने के पक्ष में कोई सुबूत नहीं है। अमेरिका में मृत्युदंड की सज़ा सुनाए गए लोगों की संख्या बहुत ज़्यादा है, उनमें से बहुत बड़ी संख्या का मृत्युदंड क्रियान्वित किया भी जाता है। लेकिन क्या इससे वहां के स्कूलों में हत्या करने या सामूहिक गोलीबारी करने या हाल ही में न्यू ऑरलियन्स में हुए नरसंहार जैसे अपराध होना रुक गए? दूसरी ओर, ऐसा लगता है कि जिन मुल्कों में मृत्युदंड का प्रावधान हटाया गया है, वहां जघन्य अपराधों के मामलों में वृद्धि नहीं हुई है। फ्रांस ने 1981 में यह विकल्प चुना था, चार दशक से अधिक समय बीतने के बाद, इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि वहां जघन्य जुर्म की संख्या बढ़ी है। जिम्बाब्वे, जिसने पिछले साल दिसंबर में मृत्युदंड पर रोक लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में पेश हुए प्रस्ताव पर मतदान में अनुपस्थिति दर्ज करवाई थी, ने भी मृत्युदंड को समाप्त कर दिया है। अब देखना यह है कि इस निर्णय का प्रभाव क्या रहेगा। हमारे देश में प्रति वर्ष बलात्कार और हत्या के हज़ारों मामले दर्ज किए जाते हैं। हमारे यहां आतंकवादी हमलों के भी अनेक मामले हैं। मेरा मानना है कि जघन्य अपराधों से जुड़े इन तमाम मामलों में यदि जांच प्रक्रिया तेजी से पूरी कर ली जाए और एक साल के अंदर मुकदमे की सुनवाई पूरी हो जाए, तो काफी हद तक न्याय मिल जाएगा। इसके वास्ते, जहां हमारी पुलिस को अपराधों की जांच करने के लिए उच्च प्रशिक्षित होने की जरूरत है वहीं हमारे अभियोजन पक्ष और अभियोजकों को भी ठोस और वैज्ञानिक सुबूतों से पूरी तरह लैस होना होगा। हाल ही में एक अखबार में छपी एक खबर के अनुसार एक मामले में 49 में से 48 गवाह मुकर गए। यह हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली के बारे में क्या बताता है? सिर्फ इतना कि इसमें बड़े पैमाने पर बदलाव की जरूरत है। लेकिन, हो यह रहा है कि हमारे यहां व्यवस्था को सुधारने के बजाय सबसे कठोरतम सज़ा यानी मृत्युदंड और ज्यादा देने की मांग की जा रही है। इससे व्यवस्था को सुधारने में मदद नहीं मिलेगी। देश भर की अदालतों को आपराधिक मामलों में सुनवाई और अपीलों के निपटारे में तेजी लाने की जरूरत है ताकि फैसले पर जल्दी पहुंचा जा सके। तभी जघन्य या अन्य अपराध करने वालों को यह संदेश मिलेगा कि उन्हें सज़ा जल्द मिल जाएगी और जेल काटनी पड़ेगी। कुछ अदालतों ने यह विचार करना शुरू कर दिया है कि जरूरी नहीं किसी व्यक्ति को फांसी पर लटकाना सबसे अच्छा समाधान है। हाल के दिनों में ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें अदालतों ने मौत की सजा सुनाने की बजाय दोषी को 20-25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कुछ मामलों में, बिना किसी राहत के इतनी लंबी जेलबंदी की सजा दी गई है। कुछ केस ऐसे भी रहे, जिनमें दोषी को आजीवन कैद की सजा सुनाई गई है। क्या यह तरीका मौत की सजा जितना कठोर या उससे बढ़िया नहीं? कई देश ऐसा सोचने लगे हैं। मत भूलें कि अबू सलेम को पुर्तगाल से इस शर्त पर प्रत्यर्पित किया गया था कि भारत में उसे मृत्युदंड नहीं दिया जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि मृत्युदंड का उन्मूलन एक बहुत ही विवादास्पद और पेचीदा विषय है, खासकर बलात्कार, हत्या, बच्चों के यौन शोषण और आतंकी हमलों जैसे जघन्यतम मामलों में। फिर भी, हमें इस विषय पर विस्तार से चर्चा करने और किसी तरह की नीति या आम सहमति बनाने की आवश्यकता है, अन्यथा, मृत्युदंड एक जुए का खेल बनकर रह जाएगा। इस बीच, आइए यमन की महिला के लिए प्रार्थना करें।

आप का नजरीया

जे सुक्खू राजी हो जावे

शिमला के आंगन में मुख्यमंत्री के सामने अगर सतिंद्र सरताज गा रहा हो तो इस रजामंदी में इतनी खनक तो है कि सारा रिज मस्त हो जाए। मनोरंजन की इस छांव में पहाड़ी गायक सामने हों या न हों, लेकिन पंजाबी के सुर और गायन की मदहोशी का पागलपन कुछ संस्कृति पसंद प्रशंसकों की कमीजें उतरवा कर उन्हें नचा सकता है। यकीन नहीं होता कि हिमाचल का शिष्टाचार अब इतना बेकाबू हो गया कि हम रिज की गरिमा में बेहूदा नाच कर सकते हैं। शायद करनैल राणा या कुलदीप शर्मा गा रहे होते, तो कम से कम कमीजें तो न उतरतीं। वाकई शिमला अब कॉर्निवाल हो गया या हिमाचल के सांस्कृतिक आयोजनों का यह कमाल हो गया कि हमारे आंगन से हिमाचली कलाकार गायब हो गया। सांस्कृतिक समारोहों के पैमानों में पंजाबी संगीत भरने वालों की इज्जत को यह गंवारा नहीं कि कोई हिमाचली गायक स्टेज पर चढ़े या उसे मेहनताने का प्रतिष्ठित कतरा मिल सके। बेशक सरताज की गायकी का हिंदोस्तान दिवाना है, लेकिन वह हिमाचली संस्कृति का राजदूत नहीं है। यर दीगर है कि हम हिमाचली भाषा को स्वीकार्यता न देने की सियासी मजबूरी के चलते पंजाबी को अपना लें, तो सरकारी समारोहों में रौनक की प्रासंगिकता बढ़ जाएगी, वरना प्रदेश अब सांस्कृतिक ऊर्जा के खाते में तरह-तरह से बीस-पच्चीस करोड़ खर्च इकट्ठा करके भी अंततः अपने ही लोक जीवन को बदल रहा है या बाहरी कलाकारों के नाम दौलत कर रहा है। हम पंजाबी विरोधी नहीं हैं, क्योंकि पंजाबी को भाषा बनाने की मान्यता में आठ हिमाचली बोलियां समाहित हैं, लेकिन अब सांस्कृतिक मंडी में घर और बाहर के कलाकार में फैसले हों तो कम से कम हिमाचली कलाकार का पेट भूखा न रहे। अगर हमारे कहे पर आपको एतराज है तो यह कैसे मुमकिन हो गया कि पिछले एक साल में सतिंदर सरताज की गायकी ने हिमाचल से सवा करोड़ के लगभग बसूल लिया। इतनी ही रकम से अगर हिमाचली कलाकारों को न्यौता देना हो, तो सारे के सारे निपट जाते। क्या बजंतरियों की कला और पौराणिक संगीत को ऐसे कार्निवाल का प्रश्रय नहीं मिलना चाहिए। क्या हमारे ट्राइबल संस्कृति का प्रदर्शन सांस्कृतिक समारोहों में नहीं होना चाहिए। चंबा मिंजर मेले में गाए जाने वाले कुंजड़ी मलहार की मधुर धुनों से क्या हमारे राज्य स्तरीय सांस्कृतिक समारोहों का आगाज नहीं हो सकता। क्या हम हर समारोह को लोक संस्कृति का उत्सव नहीं बना सकते। अंततः साल भर के तमाम उत्सवों, सांस्कृतिक समारोहों और मेलों को एक सूत्र में पिरोकर इन्हें पर्यटन की आचार संहिता में निरुपित करने की आवश्यकता है। प्रदेश की मेला एवं सांस्कृतिक उत्सवों की अपनी एक विरासत, क्षमता और सामाजिक स्वीकार्यता है। हर साल प्रमुख मेलों व सांस्कृतिक समारोहों के अलावा दर्जनों समारोह होने लगे हैं। इनकी आय और व्यय का न कोई ऑडिट और न ही कोई हिसाब है, जबकि छिंज मेलों में ही बाहरी पहलवानों पर बड़े-बड़े इनाम की राशियों का योग करोड़ों में बैठता है। मोटे तौर पर समाज व निजी व्यापारिक संस्थान सहमति या दबाव से करीब पचास करोड़ के आयोजन कर रहे हैं।

तेज रफ्तार जीप गैस से भरे टैंकर से टकराई, दो की मौत

पाली (हिंस)। सुमेरपुर शहर से जुड़े नेशनल हाइवे पर पालड़ी जोड के निकट सोमवार दोपहर गैस से भरे टैंकर के पीछे चल रही जीप टैंकर में घुस गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची शिवगंज व सुमेरपुर सदर पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद दोनों शवों को बाहर निकाल कर एंबुलेंस की सहायता से समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया। घटना के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद सुमेरपुर सीओ जितेंद्र सिंह व सदर थाना प्रभारी मनमन्थ आढा भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने वाहनों को साइड में कर यातायात सुचारू करवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। एक मृतक की पहचान लक्ष्मण पुत्र असलाराम देवासी निवासी तेलबी खेड़ा कृष्णगंज सिरोही के रूप में हुई है। दूसरे युवक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे है। गनीमत रही कि गैस का टैंकर खाली था। हादसे में जीप में सवार दोनों युवकों की बॉडी जीप में बुरी तरह फंस गई।

जेल जाने से पहले प्रशांत किशोर ने कहा, जारी रहेगा सत्याग्रह

पटना (हिंस)। बिहार के पीरबहोर सिविल कोर्ट, पटना से निकलने के बाद जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने सोमवार को कहा कि सत्याग्रह जारी रहेगा। इसलिए बेल ठुकराकर जेल जाना मैंने स्वीकार किया है। यह मौलिक लड़ाई है। नीतीश और भाजपा के लाठीतंत्र को उखाड़ फेकना है। प्रशांत किशोर ने कहा कि मुझे कोर्ट में लाया गया। यहां सीडीजीएम ने मुझे बेल दी लेकिन शर्त रखा गया कि आप फिर से ये सब नही करेंगे। इसलिए मैने उस बेल को रिजेक्ट कर दिया है और जेल जाना स्वीकार किया है। क्योंकि, यह एक मौलिक लड़ाई है। उन्होंने कहा कि बिहार में महिलाओं और युवाओं पर लाठी चलाना जायज है और उसके खिलाफ आवाज उठाना जुर्म है तो हम जेल जाने के लिए तैयार हैं। गांधी मैदान

जो कि एक पब्लिक प्रॉपर्टी है वहां जाकर अपनी मन की बात रखना और जिस बिहार में गांधी ने सत्याग्रह की यदि वहां सत्याग्रह करना गुनाह है तो हमें वो गुनाह करना मंजूर हैं। इसलिए मैने बेल नहीं लिया। क्योंकि, इस लड़ाई में जिन युवाओं ने मेरा साथ दिया, ये उनके साथ धोखा होगा। जन सुराज के नेता ने कहा कि ये जो मेरा अनशन 5 दिन से चल रहा है वह जेल में भी जारी रहेगा। जब तक सरकार इसका रास्ता नहीं निकलती ये बदलने वाला नहीं है। साथ ही उन्होंने समर्थकों से अपील की कि पुलिस वालों के साथ धक्का-मुक्की नहीं कीजिए, इन्हें ऊपर से आदेश है। इसलिए ये ऐसा कर रहे हैं। यह अभियान लाठीतंत्र चलाने वाले नीतीश और भाजपा को उखाड़ने का अभियान है। उल्लेखनीय है कि जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर 2 जनवरी से आमरण अनशन पर बैठे थे। इसके बाद 6 जनवरी को भोर चार बजे बिहार पुलिस प्रशांत किशोर को आमरण अनशन स्थल गांधी मूर्ति से गिरफ्तार कर 5 घंटे तक एंबुलेंस में घुमाती रही। फिर उन्हें फतुआ के सामुदायिक अस्पताल ले गई और उसके बाद पीरबहोर सिविल कोर्ट पटना लेकर आई। यहां से निकलने के बाद प्रशांत किशोर ने मीडिया से बातचीत की। इसके बाद उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट की हाई पावर कमेटी पहुंची खनौरी, डल्लेवाल से की मुलाकात

चंडीगढ़ (हिंस)। सुप्रीम कोर्ट ने किसानों के मुद्दे पर बनाई हाई पावर कमेटी ने सोमवार को खनौरी बॉर्डर पर पहुंचकर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मुलाकात की। कमेटी अब डल्लेवाल के स्वास्थ्य तथा खनौरी की मौजूदा स्थिति को लेकर एक रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करेगी। इस बीच जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन सोमवार को 42वें दिन भी जारी रहा। सेवानिवृत्त चीफ जस्टिस नवाब सिंह की अगुआई वाली टीम ने आज दसवें पातशाह गुरु गोबिंद सिंह जी के जन्ममदिन पर बधाई दी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि डल्लेवाल से हमने यही आग्रह किया कि हम उनकी सेहत की वाहेगुरु जी से प्रार्थना करते हैं कि वह स्वस्थ रहें। डल्लेवाल ने कहा कि मेरे लिए किसान पहले है और मेरी सेहत बाद में है। मेडिकल सुविधा लेने के लिए हम सबने प्रार्थना की है, लेकिन उन्होंने इस पर कोई जबाव नहीं दिया। टीम के सदस्यों ने कहा कि डल्लेवाल जी को वादा किया गया है कि जब आप बुलाओगे, हम आएंगे। उन्होंने कहा कि आज जो भी बातचीत हुई है, वह उसकी रिपोर्ट कमेटी को सौंप देंगे। जस्टिस नवाब सिंह ने कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी के लिए उत्तरदायी हैं और अपनी रिपोर्ट कमेटी को सौंपेंगे। केंद्र सरकार पर सवाल के जबाव में भी उन्होंने कहा कि अपनी रिपोर्ट कमेटी को सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के मुद्दे पर हाई

पावर कमेटी काम कर रही है और आगे भी करती रहेगी। कमेटी सदस्यों ने कहा कि केंद्र से सीधा बातचीत कराने की हमारे पास अथॉरिटी नहीं है। हम पिछले 4 महीने से किसानों से बातचीत के प्रयास में लगे हुए हैं। हमने शुरुआती इश्यू कोर्ट के सामने रखे थे। अभी तक इसकी रिपोर्ट फाइल नहीं की है। हम जल्दी रिपोर्ट पेश करेंगे। रिपोर्ट अलग-अलग फेज में होगी। इस मुद्दे पर एक नई मीटिंग भी होगी। कमेटी एक पॉजिटिव ब्रिज बनाएगी। इस बीच केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने किसान आंदोलन के मुद्दे पर कहा कि किसानों का मुद्दा पंजाब सरकार का है। हरियाणा में ऐसा कुछ नहीं है। खट्टर ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों से बातचीत करने की कोशिश की है और दो-तीन बार बातचीत का ऑफर भी दे चुकी हैं, लेकिन कोई भी किसान उस कमेटी से मिलने नहीं आया।

चीन में फैले वायरस से गुरुग्राम के उद्यमी चिंतित, कच्चे माल का हो सकता है संकट

भारत में इस बीमारी का एक मरीज आ चुका है सामने

गुरुग्राम (हिंस)। चीन में फैले नए वायरस एचएमवीपी के भय के बीच दिल्ली-एनसीआर के उद्योगों पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (पीएफटीआई) के चेयरमैन दीपक मैनी ने कहा कि एचएमवीपी वायरस के प्रसार और इसके प्रभाव को लेकर अभी तक पूरी जानकारी नहीं है। फिर भी हमें सतर्कता और सावधानी बरतने की आवश्यकता है। महामारी के समय सीखे गए सबक और सुरक्षा उपायों को पुनः लागू करना अब उद्योगों के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन में हाल ही में सामने आए नए वायरस एचएमवीपी ने दुनियाभर में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। भारत में भी इसका एक मरीज सामने आया है। इससे आमजन से लेकर उद्योग जगत में भी चिंता देखी जा रही है। कोरोना महामारी के अनुभवों को देखते हुए इस नए वायरस के प्रसार को लेकर हर कोई सतर्क है। उन्होंने कहा कि चीन से कच्चे माल और उत्पादों की आपूर्ति में रुकावट आ सकती है, जिससे उत्पादन बाधित हो सकता है। वायरस के प्रसार को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और परिवहन पर प्रतिबंध लग सकते हैं, जिससे निर्यात प्रभावित होगा। संभावित लॉकडाउन या स्वास्थ्य चिंताओं के चलते श्रमिकों की कमी का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक अनिश्चितता के कारण बाजार में मांग में कमी हो सकती है। दीपक मैनी ने कहा कि चीन या अन्य प्रभावित देशों से सामग्री आयात करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें। वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की पहचान करें। कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपाय लागू करें, जैसे मास्क, सैनिटाइजर, और नियमित जांच। संभावित आर्थिक प्रभावों से निपटने के लिए वित्तीय रणनीति तैयार करें। दीपक मैनी ने कहा कि हम सभी को यह समझना होगा कि सतर्कता और तैयारी ही हमें इस चुनौती से उबरने में मदद कर सकती है। पीएफटीआई इस विषय पर उद्योगों को हर संभव मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उद्योग जगत को जागरूक करने के लिए पीएफटीआई आने वाले दिनों में वर्चुअल वेबिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करेगा।

पंजाब में बसों का चक्का जाम, लोग परेशान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में सोमवार से तीन दिन के लिए बसों की हड़ताल रविवार देर रात से शुरू हो गई है। आज पहले दिन प्रदेश में पीआरटीसी तथा पनबस के अंतर्गत चलने वाली करीब तीन हजार बसें सड़कों पर नहीं उतरीं। जिस कारण यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पनबस और पीआरटीसी के कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर 8 जनवरी तक हड़ताल पर रहने का एलान किया है। सरकारी कर्मचारियों ने भी इन्हें समर्थन दे दिया है। कर्मचारी मंगलवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन करने का एलान पहले ही किया है। हड़ताली कर्मचारी उन्हें पक्का करने की मांग कर रहे हैं। इसे लेकर पनबस और पीआरटीसी ठेका कर्मचारी यूनियन ने पिछले महीने सभी मंत्रियों को मांग पत्र भी सौंपे थे। इसके बावजूद उनकी मांग पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए आधारभूत ढांचे का तेजी से विकास : दीया कुमारी

जयपुर (हिंस)। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार आधारभूत ढांचे को मजबूत कर अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पेश किए गए ऐतिहासिक बजट ने विकास की नींव रखी है, जिसमें कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को शामिल किया गया। दीया कुमारी ने कहा कि सार्वजनिक निर्माण विभाग ने राज्य में बन रहे नौ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे की डीपीआर तैयार करने का काम शुरू कर दिया है, जिसके लिए 30 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही, सभी टोल प्लाजा पर फास्ट-टेग को अनिवार्य कर पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है, जिससे राजमार्गों से आय में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग ने एक सेवा ऐप लॉन्च किया है। इस ऐप के माध्यम से नागरिक सड़क संबंधी समस्याओं की शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिन पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। दीया कुमारी ने कहा कि आधारभूत ढांचे

के विकास से न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, बल्कि उद्योग-धंधों और स्वरोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय अर्थव्यवस्था में हस्तशिल्प, शिल्पकारों और महिला उद्यमियों की भागीदारी को सुनिश्चित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने 2024 में 14,679 करोड़ रुपए की लागत से 20,470 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया, जिसमें 8,868 किलोमीटर नई सड़कें शामिल हैं। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में 4,228 किलोमीटर मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण किया गया है। दीया कुमारी ने बताया कि राइजिंग राजस्थान समिट की सफलता ने राज्य में निवेश के अनुकूल माहौल बनाया है। राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा पीपीपी मॉडल के तहत 326 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। पीएम गति शक्ति योजना से प्रेरित होकर चार स्टेट हाईवे पर इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। इसके साथ ही ब्लैक स्पॉट सुधार और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए बायो बिटुमिन का उपयोग किया जा रहा है। वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थायी मरम्मत के लिए 964.43 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इस राशि से 2,328 कार्यों की मरम्मत की जाएगी।

राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम का नाम अब मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान

जयपुर (हिंस)। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स की योग्यता जांचने के लिए होने वाली परीक्षा का नाम राज्य सरकार ने बदल दिया है। अब तक इस परीक्षा का नाम राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम (आरकेएसएमबीके) था, जिसे बदलकर अब मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान (एमएसआरए) कर दिया गया है। शिक्षा विभागीय परीक्षा के पंजीयक ने इस नए नाम के साथ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पंजीयक नरेंद्र कुमार सोनी ने एक आदेश जारी कर सभी डाइट प्रिंसिपल को कक्षा तीन से आठ के स्टूडेंट्स के लिए जनवरी में ही परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इन क्लास के स्टूडेंट्स हिंदू, अंगेजी, गणित विषय की परीक्षा देंगे। स्टूडेंट्स जिस क्लास में पढ़ रहे हैं, उससे पहले वाली क्लास से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे ताकि ये स्पष्ट हो सके कि स्टूडेंट्स को पिछली कक्षा की शिक्षा प्राप्त है या नहीं ? जो स्टूडेंट्स इस परीक्षा में कमजोर साबित होंगे, उन पर अतिरिक्त मेहनत की जाएगी। शिक्षक संगठन आरकेएसएमबीके को बंद करने की मांग कर रहे थे, क्योंकि इस परीक्षा के चलते वार्षिक परीक्षा से पहले पढ़ाई का नुकसान होता है। ऐसे में अधिकांश संगठनों ने कांग्रेस राज में शुरू हुई इस परीक्षा को बंद करने का इंतजार कर रहे थे लेकिन अब इसका सिर्फ नाम बदला गया है। शिक्षक नेताओं का कहना है कि इस परीक्षा के कारण सरकारी स्कूलों में काफी दिनों तक पढ़ाई ठप हो जाती है।

11वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर 2025 की तैयारियां जोरों पर, डोम तैयार

उदयपुर (हिंस)। लघु उद्योग भारती उदयपुर इकाई के तत्वावधान में उदयपुर में 10 से 13 जनवरी तक होने जा रहे 11वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर 2025 (आईआईएफ) की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। आयोजन स्थल दिल्ली पब्लिक स्कूल मैदान में डोम तैयार हो गए हैं। रविवार को लघु उद्योग भारती सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों ने डोम व अन्य तैयारियों का निरीक्षण किया। आईआईएफ संयोजक तरुण दवे ने बताया कि प्रमुख उद्योगपति व संघ के विभाग संघचालक हेमेंद्र श्रीमाली और महानगर संघचालक गोविंद अग्रवाल ने आयोजन स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयोजन की प्रगति पर कार्यकर्ताओं ने जानकारी दी। सफाई व्यवस्था और अन्य तैयारियों को लेकर अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के समय वेन्यू प्रमुख अभिजीत शर्मा, सोशल मीडिया प्रमुख यशवर्धन खंडेलवाल, दीपक चुघ, आर्किटेक्ट सुनील एस लड्ढा, सुरक्षा प्रमुख उमाप्रताप सिंह यादव, अभय जोशी, हितेश बोही आदि प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। लघु उद्योग भारती उदयपुर के जिलाध्यक्ष मनोज जोशी ने बताया कि इस आयोजन के समापन समारोह में कई गणमान्य हस्तियां शिरकत करेंगी। इनमें राज्य के उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, चित्तौड़ सांसद सीपी जोशी, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, लघु उद्योग भारती के प्रदेश महामंत्री योगेन्द्र शर्मा, चित्तौड़ प्रांत अध्यक्ष पवन गोयल आदि शामिल हैं। प्रायोजकों में मिराज, सिक्योर मीटर्स, वोल्केम, पीआई इंडस्ट्रीज, आईईवीओ, अनंता हॉस्पिटल और वंडर पेंट्स जैसी प्रमुख कंपनियां भागीदारी कर रही हैं।

50 से अधिक सक्रिय सदस्य बनाने वाले बनेंगे बूथ अध्यक्ष : अशोक गुर्जर

सोनीपत (हिंस)। गन्नौर भाजपा मंडल अध्यक्षों के चुनाव को लेकर सोमवार को नवज्योति शिक्षा सदन में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में कैथल के पूर्व विधायक एवं सक्रिय सदस्यता अभियान के प्रदेश सह संयोजक अशोक गुर्जर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। अशोक गुर्जर का बैठक में पहुंचने पर चुनाव अधिकारी धर्मबीर नांदल, जिला महामंत्री निशांत छौक्कर, आजाद नेहरा, संजय गौतम आदि ने बुका भेंट कर स्वागत किया। अशोक गुर्जर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह 6 से 12 जनवरी तक बूथ अध्यक्षों का चुनाव करें। बूथ अध्यक्ष वही होंगे, जिन्होंने 50 से अधिक सक्रिय सदस्य बनाए हैं। उन्होंने बताया कि बूथ अध्यक्ष के चुनाव के बाद गन्नौर विधानसभा के चारों मंडल पुरखास, गन्नौर, राजपुर व दातौली मंडल के अध्यक्षों का चुनाव होगा। मंडल अध्यक्षों का चुनाव बूथ कमेटी करेगी। इस मौके पर सुखबीर प्रजापत, संदीप पहल, पवन शर्मा, शकुंतला राठी सहित अन्य मौजूद रहे।

बांग्लादेशी संदिग्ध के नाम पर राजनीति तेज जनप्रतिनिधि बना रहे मुद्दा

लखनऊ, (हिंस)। लखनऊ में हजारों परिवारों के बीच उनके घरों में रोजमर्रा का काम करने वाले और झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले बांग्लादेशी संदिग्ध के नाम पर दो जनप्रतिनिधियों ने राजनीति तेज कर दी है। लखनऊ पूर्वी के विधायक ओपी श्रीवास्तव और शहर को स्वच्छता का संदेश देने वाली महापौर सुषमा खर्कवाल ने बांग्लादेशी मुक्त समाज को मुद्दा बना लिया है। लखनऊ में झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के पास वैध प्रमाण पत्रों के होने के बावजूद उन्हें बांग्लादेशी नागरिक बताने वाली महापौर सुषमा खर्कवाल ने जिलाधिकारी लखनऊ को पत्र लिखकर जांच की मांग की है। जिलाधिकारी कार्यालय को पत्र मिलने के बाद झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले नागरिकों की प्रारम्भिक जांच में अभी तक कोई बांग्लादेशी नागरिक नहीं पकड़ा गया है। इसी तरह विधायक ओपी श्रीवास्तव अपने बयानों के दम पर राजनीति को गरम किए हुए है। ओपी श्रीवास्तव तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से समय लेकर मिल भी आए हैं। अपनी विधानसभा क्षेत्र लखनऊ पूर्वी में अवैध कब्जा हटाने को लेकर विधायक तमाम प्रकार के तर्क रख रहे हैं। मुख्यमंत्री से मांग करते हुए विधायक ओपी श्रीवास्तव ने कुकरैल नदी के गंदा होने के पीछे की वजह भी झोपड़ी में रहने वालों को बताया है। सड़क किनारे झुग्गी झोपड़ी में अपना जीवन काट रहे लोगों के पास आधार कार्ड, राशन कार्ड जैसे वैध दस्तावेज हैं। इन्हें बांग्लादेशी कहने के बजाय संदिग्ध कहने वाले प्रशासनिक कर्मचारियों की माने तो लखनऊ उत्तर में सर्वाधिक संख्या में संदिग्ध लोग है, जो झुग्गी झोपड़ी में अपना गुजर बसर कर रहे हैं। इसके बाद सरोजनीनगर विधानसभा दूसरे स्थान पर है।

हिमाचल प्रदेश कैडर की आईपीएस इल्मा ने खुद ही मांगा था स्थानांतरण

मुरादाबाद (हिंस)। मुरादाबाद के थाना कुंदरकी की मूल निवासी एसपी इल्मा अफरोज की तत्काल नियुक्ति के लिए हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका पर दो दिन पहले सुनवाई हुई थी। सरकार की ओर से कोर्ट में बताया गया कि आईपीएस अधिकारी इल्मा अफरोज ने खुद अपना स्थानांतरण मांगा था, जिसके आधार पर उन्हें हिमाचल प्रदेश पुलिस मुख्यालय में तैनाती दी गई है। आईपीएस इल्मा अफरोज ने वहां पर ज्वॉइनिंग भी कर ली है। अदालत में राज्य के गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक की ओर से दायर जवाब में यह बात कही गई। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया था कि इल्मा अफरोज एक अच्छी और निडर अधिकारी हैं। एसपी रहते हुए उन्होंने नालागढ़ व बरोटीवाला क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाया।

आंदोलनकारी छात्रों के समर्थन में युवा राजद ने निकाला आक्रोश मार्च

भागलपुर (हिंस)। बिहार प्रदेश युवा राष्ट्रीय जनता दल द्वारा पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत सोमवार को युवा राष्ट्रीय जनता दल भागलपुर की ओर से भागलपुर स्टेशन चौक अंबेडकर प्रतिमा के सामने युवा एवं छात्र संगठनों के द्वारा आक्रोश मार्च, पुतला दहन एवं नुक्कड़ सभा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ 70वीं बीएससी परीक्षा को रद्द करने के लिए किया गया। जिसकी अध्यक्षता युवा राज्य जिला अध्यक्ष मोहम्मद वसारुल हक ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा राजद जिला अध्यक्ष मोहम्मद बसारूल हक ने कहा कि पूरे बिहार में लगातार हो रहे परीक्षा पेपर लीक, शिक्षा का गिरता हुआ स्तर, परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के मन में पेपर लीक भय एवं हाल ही में 70 वी बीपीएससी परीक्षा के अनियमितता के खिलाफ छात्रों मे क्रोध और आक्रोश व्याप्त है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 70वीं बीपीएससी परीक्षार्थियों से वार्ता नहीं करके लाठी, गोली एवं आंसू गैस चलाकर आंदोलन को कुचलना चाहते हैं। पूरे राज्य के गरीब मेधावी छात्रों में सरकार के प्रति काफी आक्रोश व्याप्त है। जब तक सरकार आंदोलनकारी छात्र जो धरना में अनशन पर बैठे हैं, उनसे वार्ता नहीं करेंगे तबतक आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान स्टेशन चौक भागलपुर से बस स्टैंड तक पैदल मार्च निकाला गया। फिर बस स्टैंड स्टेशन से अंबेडकर प्रतिमा तक पैदल मार्च किया। कार्यक्रम में डॉक्टर चक्रपाणि हिमांशु पूर्व अध्यक्ष बाल श्रमिक आयोग, डॉक्टर तिरुपति नाथ प्रदेश सचिव सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

No.GDB/SOPD/75/2022-23/512 *Dated:- 28/12/2024*

TENDER NO.11 OF 2024-25

INVITATION FOR BIDS (IFB)

Selected tenders affixing Non-refundable court fee stamp of RS.8.25 (Rupees Eight & Twenty Five Paisa) only with at validity period of 180 (One Hundred Eighty) days which will subsequently to be covered and drawn up in the printed F-2 form are invited from the intending Registered Contractors of all categories of the Assam PWD (Bldg. & Roads) for submitting tender for the work below. The tenders will be received by the undersigned up to 2;30 PM 28-12-2024 to 17-01-2025 and will be opened on the date 09-01-2024 at 2:30 PM.

Sl. No.	Name of Work	Apporx Estimated value of work	Tender Value	Earnest money 2% for GNL & 1% for ST/SC/OBC/MOBC	Cost of tender document	Time of completion
1	Const. of Sukali Sarfang Biyab Bathou Thansali under SOPD T/A. fund for the year 2024-25	13,53,000.00	13,39,470.00	Rs . 14,000/- & Rs. 7,000/-	Rs.300/-	3(Three month)
2	Const. of guest room at uttar betna borowari Durga Mandir at Maharipara , under GAD fund for the year 2024-25	20,00,000.00	19,80,000.00	Rs .20,000/- & Rs. 10,000/-	Rs.350/-	3(Three month)
3	Const. of Community Hall at Maharipara, under WPT & BC T/A (P) fund for the 2024-25.	10,00,000.00	9,90,000.00	Rs .20,000/- & Rs. 10000'/-	Rs.300/-	3(Three month)
4	Const. of Community toilet Chirahundi jame masjid under 15th-FC (Tied Grant) fund for the 2023-24 during 2024-25.	10,47,960.00	10,37,481.00	Rs .21,000/- & Rs. 10500/-	Rs.300/-	3(Three month)
5	Const. of Community toilet at pub Begapara Mujari Masjid, under 15th-FC fund for the 2023-24 during 2024-25.	10,47,960.00	10,37,481.00	Rs .21,000/- & Rs. 10500'/-	Rs.300/-	3(Three month)

Detailed NIT may be seen in all working days in the Office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractor or their authorized agent up to 11:30 AM in all working days from 28-12-2024 to 17-01-2025 in the office of the undersigned on payment in the form of Banker Cheque/Bank Draft/ Demand draft duly pledged in favour of the BDO, Goreswar Development Block.

Sd/- Block Development Officer
Goreswar Development Block

IPR(BTC)/C/2024-25/1258

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी का आईपीओ खुला, निवेशक 8 जनवरी तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का पहला आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार को निवेशकों के लिए खुल गया है। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 133-140 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस इश्यू के जरिए कंपनी की योजना 410.05 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी के शेयर 13 जनवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होंगे।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी का नए साल में लॉन्च होने वाला ये पहला आईपीओ है, जिसमें निवेशक 8 जनवरी, 2025 तक निवेश कर सकते हैं। इंजीनियरिंग इक्यूपमेंट बनाने वाली कंपनी के 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इश्यू में निवेशक न्यूनतम 107 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 107 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। यह 210 करोड़ रुपये मूल्य वाले 1.50 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू और 200.05 करोड़ रुपये के 1.43 करोड़ ऑफर फॉर सेल शेयरों का कॉम्बिनेशन है।

कंपनी इस निर्गम से प्राप्त 10 करोड़ रुपये का इस्तेमाल मशीनरी और उपकरणों की खरीद, कुछ बकाया उधारों और भुगतान के लिए 130 करोड़ रुपये और इंजीनियरिंग इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड में निवेश के लिए 30 करोड़ रुपये तथा 20 करोड़ रुपये सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए करेगी।

उल्लेखनीय है कि स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड भारत में फार्मास्यूटिकल और रासायनिक क्षेत्रों के लिए शीर्ष 5 विशेष इंजीनियरिंग उपकरण निर्माताओं में से एक है। इस कंपनी के पास पूरी उत्पादन प्रक्रिया को इन-हाउस प्रबंधित करने की क्षमता है। कंपनी के पास हैदराबाद (तेलंगाना) में आठ मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। ये कंपनी फार्मास्यूटिकल और केमिकल निर्माताओं के लिए डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, असेंबली, इंस्टॉलेशन और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीज़र सहित टर्नकी सॉल्यूशन प्रदान करती है।

न्यूज़ ब्रीफ

चांदी के लिए 'हॉलमार्किंग' अनिवार्य करने पर विचार करे भारतीय मानक ब्यूरो: प्रहलाद जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने सोमवार को कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) को उपभोक्ताओं की मांग के बाद चांदी तथा चांदी के सामान के लिए 'हॉलमार्किंग' अनिवार्य करने पर विचार करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने राजधानी नई दिल्ली में आयोजित 78वें बीआईएस स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि चांदी की 'हॉलमार्किंग' के लिए उपभोक्ताओं की ओर से मांग है। आप (बीआईएस) इस पर विचार-विमर्श कर निर्णय ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि चांदी की 'हॉलमार्किंग' से भारत में बहुमूल्य धातुओं के गुणवत्ता नियंत्रण उपायों को बल मिलेगा। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने भारतीय मानक ब्यूरो मुख्यालय में बीआईएस स्टूडियो का शुभारंभ किया। यह पहल देश के प्रत्येक उपभोक्ता को गुणवत्ता के प्रति जागरूक मानसिकता को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी, जिससे एक गुणवत्तापूर्ण जागृत राष्ट्र के निर्माण में सहायता मिलेगी। केंद्र सरकार ने वर्तमान में केवल सोने के आभूषणों तथा अन्य सामान के लिए 'हॉलमार्किंग' अनिवार्य किया है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ता हितों की रक्षा करना तथा उत्पाद की प्रामाणिकता सुनिश्चित करना है। मौजूदा 'हॉलमार्किंग' प्रणाली में छह-अंकीय 'अल्फान्यूमेरिक कोड' शामिल है, जो सोने की शुद्धता को प्रमाणित करता है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से अभी तक मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में गिरावट नजर आ रही है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,942.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 338.38 अंक यानी 1.75 प्रतिशत उछल कर 19,619.17 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 108.57 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,624.55 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,223.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 111.54 अंक यानी 1.53 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 7,282.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 118.58 अंक यानी 0.60 प्रतिशत फिसल कर 19,906.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,812.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 604.43 अंक यानी 2.64 प्रतिशत उछल कर 23,512.73 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,480.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,017 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.28 प्रतिशत फिसल कर 19704.90 अंक तक गिर गया है। निक्केई इंडेक्स में जोरदार गिरावट नजर आ रही है फिलहाल ये सूचकांक 623.41 अंक यानी 1.56 प्रतिशत गिर कर 39,271.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.10 प्रतिशत टूट कर 1,383.32 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,110.56 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,206.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

निगेटिव सेंटिमेंट्स से ध्वस्त हुआ बाजार सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

ऊपरी स्तर से सेंसेक्स में 1,751 अंक और निफ्टी में 538 अंक तक की गिरावट

नई दिल्ली

भारत में भी कोरोना जैसे संक्रामक ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस (एचएमपीवी) के मामले मिलने, तिमाही नतीजे में गिरावट आने की आशंका बढ़ने और कमजोर वैश्विक संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। बाजार में मची अफरा तफरी के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,750 अंक से भी अधिक टूट गया। इसी तरह निफ्टी भी ने भी ऊपरी स्तर से 535 अंक से अधिक का गोता लगाया। हालांकि कारोबार के अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के दौरान हुई खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक दिन के निचले स्तर से मामूली रिकवरी करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.59 प्रतिशत और निफ्टी 1.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और पीएसयू बैंक इंडेक्स 3.5 प्रतिशत से अधिक टूट गए। इसी तरह रियल्टी, एनर्जी और मेटल इंडेक्स में भी करीब 3 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, टेक, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल, कैपिटल गुड्स और आईटी सेक्टर के शेयरों में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी चौतरफा बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 10 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 439.03 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.78 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 10.75 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,244 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 657 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,471 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 116 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,575 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 276 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,299 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 3 शेयर बढ़त के साथ और 27 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 4 शेयर हरे निशान में और 46 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 58.54 अंक की मामूली बढ़त के साथ 79,281.65 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 309.56 अंक की तेजी के साथ 79,532.67 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद बाजार पर पूरी तरह से मंदड़िये हावी हो गए। लगातार हो रही बिकवाली के कारण का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 1,751.05 अंक टूट कर 1,441.49 अंक की कमजोरी के साथ दिन के सबसे निचले स्तर 77,781.62 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 180 अंक की रिकवरी करके 1,258.12 अंक की गिरावट के साथ 77,964.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 41.05 अंक की तेजी के साथ 24,045.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक सुबह 10:15 बजे तक 85.20 अंक उछल कर 24,089.95 अंक तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद बाजार पर नेगेटिव सेंटीमेंट्स हावी हो गए, जिसकी वजह से चौतरफा बिकवाली होने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ऊपरी स्तर से 538.05 अंक लुढ़क कर 452.85 अंक की गिरावट के साथ 23,551.90 अंक तक आ गया। हालांकि अंतिम वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 60 अंक से अधिक की रिकवरी करके 388.70 अंक की कमजोरी के साथ 23,616.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में वृद्धि का अनुमानः रिपोर्ट

नई दिल्ली

यह वृद्धि मुख्य रूप से उपभोक्ता, औद्योगिक और बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग के कारण होगी

फिच रेटिंग्स ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें 2025 में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में 3 से 4 फीसदी तक की वृद्धि का अनुमान जताया गया है। इसके आधार पर, फिच ने दर्शाया है कि यह वृद्धि मुख्य रूप से उपभोक्ता, औद्योगिक और बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग के कारण होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस वृद्धि से भारत की जीडीपी में 6.4 फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। डीजल और पेट्रोल की मांग के कारण, जो भारतीय पेट्रोलियम उत्पादों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में यह वृद्धि होने का अनुमान है। फिच ने बताया कि वित्त वर्ष 25 के पहले सात महीनों में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में 3 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह वृद्धि 5 फीसदी रही थी। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारतीय तेल विपणन कंपनियां वित्तीय वर्ष 2025 में रिफाइनिंग मार्जिन पर दबाव का सामना कर सकती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, रिफाइनिंग मार्जिन मध्य-चक्र स्तर से नीचे गिर सकते हैं, जो क्षेत्रीय स्तर पर अति आपूर्ति, कम उत्पाद दरों और कच्चे तेल की किस्मों के बीच मूल्य अंतर के कारण हो सकता है। अगले वर्ष में सुधार की संभावना है, जो क्षेत्रीय ओवरसप्लाई में कमी और ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ आ सकता है। फिच रेटिंग्स के अनुसार, भारतीय तेल विपणन कंपनियों को रिफाइनिंग और विपणन के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन लंबी अवधि में स्थिति में सुधार के संकेत भी मिल रहे हैं। एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड जैसी शुद्ध रिफाइनर कंपनियों को अपनी मार्केटिंग ऑपरेशंस की कमी के कारण अधिक लाभप्रदता की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। फिच की रिपोर्ट में पेट्रोलियम सेक्टर में भारत की वित्तीय मजबूती के संकेत छुपे हैं, जो आसपासी और अंतरराष्ट्रीय दौरों में एक गंभीर विषय है।

सुमरनेट्स कार उत्सव

केनबरा में सुमरनेट्स कार उत्सव के 37 वें सत्र में एक मोडिफाइड कार पेश की गयी। ये उत्सव मोडिफाइड कारों के लिए जाना जाता है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट नजर आ रही है। सोने के भाव में आई गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,850 रुपये से लेकर 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,290 रुपये से लेकर 72,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारतीय मजदूर संघ ने वित्त मंत्री को आयकर की न्यूनतम सीमा 10 लाख करने सहित कई सुझाव दिए

नई दिल्ली

भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 2025-26 के केंद्रीय बजट में इनकम टैक्स की न्यूनतम सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने सहित कई सुझाव दिए हैं। असंगठित क्षेत्र के लिए दिए गए सुझाव में योजना कर्मियों की पहचान श्रमिक के रूप में करने की भी मांग की गई है। असंगठित क्षेत्र के अधिक से अधिक श्रमिकों को समायोजित करने के लिए बजटीय आवंटन बढाने की मांग की गई है।

भारतीय मजदूर संघ की ओर से क्षेत्रीय संगठन मंत्री पवन कुमार ने केंद्रीय वित्त मंत्री को संगठन ने आशा, आंगनवाड़ी, मिड-डे मील कर्मियों और एनएचएम कर्मियों के साथ-साथ अन्य सभी योजना कर्मियों के मानदेय में वृद्धि करने, जम्मू कश्मीर बैंक को भी अन्य सभी बैंकों के समान वित्त मंत्रालय के अधीन लाने, वेतन संहिता 2019 और सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 को तुरंत अधिसूचित करने और इनकम टैक्स की न्यूनतम सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने की मांग की है। साथ ही पेंशन धारियों को पेंशन की राशि को टैक्स मुक्त करने की मांग सीतारमण से बजट में करने की मांग की है।

मजदूर संघ की ओर से सरकार से मनरेगा को जारी रखने प्रत्येक परिवार के लिए 200 दिनों के काम की गारंटी के प्रावधान के साथ मनरेगा का दायरा व्यापक करने कृषि और संबद्ध क्षेत्र के श्रमिकों को मनरेगा से जोड़ने की बात कही है। इसके साथ ही मनरेगा को दी जाने वाली मजदूरी न्यूनतम मजदूरी से कम नहीं होनी चाहिए। असंगठित क्षेत्र के अधिक से अधिक श्रमिकों को समायोजित करने के लिए बजटीय आवंटन बढाने की मांग की गई है।

बजट में असंगठित क्षेत्र के सामाजिक सुरक्षा बोडौ के लिए उचित वित्त पोषण सुनिश्चित करने के साथ विभिन्न औद्योगिक बोर्डों जैसे बीड़ी श्रमिक कल्याण बोर्ड, ठेका श्रम बोर्ड आदि के लिए वित्त पोषण सुनिश्चित करने की मांग की है। भारतीय मजदूर संघ ने श्रम-प्रधान क्षेत्र जिसमें बागान, बीड़ी, कृषि और मत्स्य पालन के लिए विशेष पैकेज प्रदान करने कमी मांग की है।

भारतीय मजदूर संघ ने कहा कि चूंकि ई-श्रम डेटा 30 करोड़ है, इसलिए इसके लाभों पर कोई उल्लेख या स्पष्टता नहीं है। सरकार को इसके लाभ और इससे लाभान्वित होने के तंत्र दोनों का विज्ञापन करना चाहिए। असंगठित श्रमिकों के लिए पहले से उपलब्ध अन्य लाभों को भी ई-श्रम कार्ड से जोड़ा जा सकता है। ई-श्रम डेटा के आधार पर बजटीय प्रावधान किए जाने चाहिए जिनका उपयोग ई-श्रम कार्ड के जरिए किया जा सकता है। संघ ने पहले कदम के रूप में ईपीएस-95 पेंशनभोगियों के लिए न्यूनतम पेंशन 1000 रुपये से बढाकर 5000 रुपये करने और अन्य सुविधा देने की मांग की है। इसके साथ ही ईपीएफ के लिए कवरेज सीमा बढ़ाकर 30000 रुपये और ईएसआईसी के लिए 42000 रुपये करने की मांग की है। ई-वृद्धावस्था सम्मान भत्ता सभी राज्यों में आन्ध्र प्रदेश के समान किया जाए एवं इसके लिए केंद्र सरकार राज्यों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करावाए। इसके साथ ही पुरानी पेंशन बहाल करने, ग्रेच्युटी की राशि गणना 15 दिन प्रति वर्ष की जगह 30 दिन प्रति वर्ष करने की मांग की गई है। भारतीय मजदूर संघ ने पीएलआई योजना के तहत ग्रामीण आधारित एमएसएमई को उच्च प्राथमिकता देने, बड़ी संख्या में रोजगार सृजित करने और एमएसएमई के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए जिला मुख्यालयों में सिंगल-विंडो डिजिटल लाइसेंसिंग कैंप आयोजित करने की मांग की गई है। इसके साथ ही सभी निगमों, नगर पालिकाओं और ग्रामीण निकायों में स्थायी पद सृजित करेने और श्रमिकों को रोजगार देने, विशेष रूप से सफाई और सीवेज कर्मचारियों को देने की मांग की है।

अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को हराकर पहली बार बहु-टेस्ट द्विपक्षीय सीरीज जीती

नई दिल्ली

अफगानिस्तान ने सोमवार को बुलावायो में जिम्बाब्वे को दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से हराकर अपनी पहली द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला जीत हासिल की। बुलावायो में ही खेला गया पहला टेस्ट ड्रॉ समाप्त हुआ था।

2017 में टेस्ट दर्जा हासिल करने के बाद से यह अफगानिस्तान की 11 मैचों में चौथी जीत है। इसकी एकमात्र बहु-खेल टेस्ट श्रृंखला जिम्बाब्वे के खिलाफ दो बार हुई है, जिसमें से पहली, 2021 में खेली गई थी, जो 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुई थी।

क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी करने का निमंत्रण दिया। अफगानिस्तान के बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके और टीम केवल 157 रनों पर ढेर हो गई। अफगानिस्तान के लिए राशिद खान ने सर्वाधिक 25 रन बनाए, वहीं जिम्बाब्वे के लिए सिंकदर रजा और न्यूमन न्यामहुरी ने 3-3 विकेट लिए, जबकि ब्लेसिंग मुजरबानी ने 2 और रिचर्ड नगारवा ने 1 विकेट लिया।

जवाब में जिम्बाब्वे ने कप्तान क्रेग इर्विन (75) और सिकंदर रजा (61) के अर्धशतकऔर सीन विलियम्स के 49 रनों की पारी की बदौलत अपनी पहली पारी में 243 रन बनाए और 46 रनों की बढ़त हासिल की। अफगानिस्तान के लिए राशिद खान ने 4, यामिन अहमदजई ने 3, फरीद अहमद ने 2 और जिया उर रहमान ने 1 विकेट लिया।

इसके बाद अफगानिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में रहमत शाह (139) और इस्मत आलम (101) के शतकों की बदौलत 363 रन बनाए और जिम्बाब्वे के सामने 278 रनों का लक्ष्य रखा। दूसरी पारी में जिम्बाब्वे के लिए ब्लेसिंग मुजरबानी ने 6, रिचर्ड नगारवा ने 3 और सिकंदर रजा ने 1 विकेट लिया। 278 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम 205 रन पर आउट हो गई। जिम्बाब्वे के लिए क्रेग इर्विन ने 53 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इर्विन के अलावा बेन करन और सिंकदर रजा ने 38-38 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए करिश्माई स्पिनर राशिद खान ने 7 विकेट झटके। राशिद के अलावा जिया उर रहमान ने 2 विकेट लिए। राशिद खान को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच और रहमत शाह को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया।

न्यूज़ ब्रीफ

ऑकलैंड ओपन 2025: पहले ही दौर से बाहर हुए सुमित नागल

नई दिल्ली। सुमित नागल का ऑकलैंड ओपन अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया। सोमवार को पहले दौर के मुकाबले में उन्हें 20 वर्षीय एलेक्स मिशेलसन के खिलाफ 6-7 (8-10), 6-4, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। नागल ने पहले सेट में दमखम दिखाया और छह सेट प्वाइंट बचाकर आखिरकार सेट अपने नाम कर लिया। हालांकि, दुनिया में 41वें नंबर के खिलाड़ी मिशेलसन ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा सेट जीतकर मैच बराबर कर दिया। तीसरा सेट पूरी तरह से अमेरिकी खिलाड़ी के नाम रहा, जिन्होंने कई बेहतरीन शॉट लगाए, जिससे कई मौकों पर नागल की भी प्रशंसा हुई। हालांकि भारतीय खिलाड़ी निर्णायक गेम में 2-3 से बराबरी करने में सफल रहे, लेकिन मिशेलसन ने अपना दबदबा बनाए रखा और मैच को अपने नाम कर लिया। इससे पहले विश्व में 96वें नंबर के खिलाड़ी नागल ने रविवार को शानदार खेल दिखाया था, उन्होंने फ्रांस के एड्रियन मानारिनो को सीधे सेटों में हराकर मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह पक्की की थी। भारतीय खिलाड़ी अब अपना ध्यान 12 जनवरी से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन पर लगाएंगे, जहां उनका लक्ष्य अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ ग्रैंड स्लैम प्रदर्शन (पिछले संस्करण में दूसरे दौर में जगह बनाना) को पीछे छोड़ना होगा।

आयरलैंड के खिलाफ एकदिनी श्रृंखला के लिए भारतीय महिला टीम घोषित, हरमनप्रीत कौर बाहर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने सोमवार को आयरलैंड के खिलाफ होने वाले तीन मैचों की एकदिवसीय घरेलू श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को शामिल नहीं किया गया है, उनकी जगह स्मृति मंधाना को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि दीप्ति शर्मा उपकप्तान होंगी। हरफनमौला खिलाड़ी सायली सतघरे पदार्पण के लिए तैयार हैं। दाएं हाथ की मध्यमगति की गेंदबाज सायली घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए खेलती हैं, जबकि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में वो गुजरात जायंट्स का प्रतिनिधित्व करती हैं। आयरलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के मैच 10, 12 और 15 जनवरी को खेले जाएंगे, तीनों मैच राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में होंगे। आयरलैंड के खिलाफ़ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के लिए भारत की टीम इस प्रकार है: स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, उमा छेत्री (विकेट कीपर), ऋचा घोष (विकेट कीपर), तेजल हसबनीस, राघवी बिष्ट, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, तीतास साधु, साइमा ठाकोर, सायली सतघरे।

ऋषि धवन ने भारतीय सीमित ओवरों के क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर ऋषि धवन ने सीमित ओवरों की क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है।

धवन ने यह घोषणा विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप चरण के अंतिम दिन के बाद की, जिसमें हिमाचल प्रदेश अगले चरण में जगह नहीं बना पाया। हालांकि, सोशल मीडिया हैंडल पर धवन की रिटायरमेंट की घोषणा में सीमित ओवरों के क्रिकेट का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है, जिससे पता चलता है कि वह रणजी सीजन के शेष भाग में हिमाचल के लिए खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। 34 वर्षीय धवन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चार बार भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें से सभी चार मैच उन्होंने वर्ष 2016 में खेले हैं। वह पहले आईपीएल में मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स का भी हिस्सा रहे हैं, लेकिन हाल ही में हुई नीलामी में उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला। धवन ने अपने बयान में कहा, मैं भारी मन से भारतीय क्रिकेट (सीमित ओवर) से संन्यास की घोषणा करना चाहता हूँ, हालाँकि मुझे इसका कोई पछतावा नहीं है। यह एक ऐसा खेल है जिसने पिछले 20 वर्षों से मेरे जीवन को परिभाषित किया है। इस खेल ने मुझे अपार खुशी और अनगिनत यादें दी हैं जो हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहेंगी।

यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग के सह-मालिक बने बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन

नई दिल्ली

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा अनुमोदित यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में निवेश किया है। यह एक निजी स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट है, जिसमें तीन सदस्य क्रिकेट देशों - आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स ने को-ऑनर के रूप में निवेश किया है।

ईटीपीएल 15 जुलाई से 3 अगस्त तक चलेगा और इसमें तीनों देशों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी दुनिया भर के विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के साथ मिलकर असली यूरोपीय शैली में खेलेंगे।

यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में अपने निवेश के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा, क्रिकेट सिर्फ़ एक खेल नहीं है; यह एक ऐसी एकीकृत शक्ति है जो सीमाओं से परे है। ईटीपीएल क्रिकेट की बढ़ती वैश्विक अपील को प्रदर्शित करने के लिए आदर्श मंच है। 2028 ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किए जाने के बाद, इसकी लोकप्रियता और भी बढ़ जाएगी।

मैं आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के क्रिकेट बोर्ड के बीच इस अनूठे सहयोग को लेकर बहुत उत्साहित हूँ। मैं सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने के लिए समर्पित हूँ ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ईटीपीएल एक शानदार सफलता बने और क्रिकेट को यूरोप भर में लाखों लोगों के करीब लाए। यह तो बस शुरुआत है। अब समय आ गया है कि हम अपनी आस्तीन ऊपर चढ़ाएँ और खेल शुरू करें।

लीग के विकास का नेतृत्व एक अंतरिम कार्य समूह द्वारा किया गया है, जिसमें भाग लेने वाले क्रिकेट बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल हैं। इस कार्य समूह को प्रमुख निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को संचालित करने और टूर्नामेंट के प्रबंधन के लिए एक समर्पित प्रशासनिक इकाई की स्थापना और संसाधन की देखरेख करने का काम सौंपा गया है।

क्रिकेट आयरलैंड के सीईओ और ईटीपीएल के अध्यक्ष वारेन ड्यूट्रोम ने अभिषेक की भागीदारी का स्वागत करते हुए कहा, खेल के प्रति उनका गहरा जुनून और उद्यमशीलता की सूझबूझ यूरोपीय क्रिकेट की स्थिति और प्रोफ़ाइल को ऊपर उठाने के हमारे दृष्टिकोण में जबरदस्त मूल्य जोड़ती है।

आईसीसी के समर्थन, हमारे साझा दृष्टिकोण के प्रति अभिषेक की प्रतिबद्धता, साथ ही रूल्स स्पोर्ट टेक के सौरव, प्रियंका और धीरज द्वारा टूर्नामेंट में लाई गई असाधारण विशेषज्ञता के साथ, हमें विश्वास है कि हम एक ऐसा क्रिकेट अनुभव बना सकते हैं जो खेल को ऊपर उठाए, युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करे और वैश्विक क्रिकेट मंच पर यूरोपीय क्रिकेट के लिए एक जबरदस्त मंच प्रदान करे।

ईटीपीएल के लिए एक औपचारिक लॉन्च इवेंट का आयोजन समय-समय पर किया जाएगा, जिसमें फ्रैंचाइज़ी स्वामित्व, नाम और ब्रांड सहित प्रमुख फ्रैंचाइज़ी और प्रशंसक जानकारी का खुलासा किया जाएगा, साथ ही खिलाड़ियों के ड्राफ्ट के बारे में विवरण दिया जाएगा।

ईटीपीएल की निदेशक प्रियंका कौल ने कहा, छह टीमों - डबलिन, बेलफास्ट, एम्स्टर्डम, रॉटरडैम, एडिनबर्ग और ग्लासगो - के साथ शुरू होने और प्रमुख मीडिया भागीदारों द्वारा व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के साथ, टूर्नामेंट दुनिया भर के दर्शकों तक पहुँचेगा, जिसमें यूरोप, भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड कुछ प्रमुख बाजार हैं। अभिषेक का खेलों के प्रति गहरा जुनून और इस पहल में उनका उत्साह अमूल्य है। हम इस यात्रा में उनके साथ इस रोमांचक सहयोग को जारी रखने के लिए तत्पर हैं।

विश्व स्तर पर दूसरा सबसे अधिक देखा जाने वाला खेल

ईटीपीएल के निदेशक सौरव बनर्जी ने इस क्षेत्र की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, क्रिकेट, जो विश्व स्तर पर दूसरा सबसे अधिक देखा जाने वाला खेल है, यूरोप में महत्वपूर्ण गति प्राप्त कर रहा है। इस क्षेत्र से 108 आईसीसी सदस्यों में से 34 के साथ, हमारा लक्ष्य क्रिकेट को यहाँ एक प्रमुख खेल बनाना है, एक ऐसी विरासत का निर्माण करना है जिसका खिलाड़ी, प्रशंसक और हितधारक गर्व से जश्न मना सकें। क्रिकेट आयरलैंड के समर्थन के बिना यह संभव नहीं होता, जो पिछले एक साल से हमारे साथ अथक प्रयास कर रहा है। हम अभिषेक के साथ मिलकर काम करने के लिए भी उत्सुक हैं, जिनकी खेलों के प्रति प्रतिबद्धता और सक्रिय भागीदारी वास्तव में प्रेरणादायक रही है।

कोपा डेल रे से बाहर हुए लास पालमास, वलाडोलिड

मैड्रिड

कोपा डेल रे के तीसरे दौर में रविवार को दो और उलटफेर देखने को मिले, जिसमें ला लीगा की टीमें निचली लीग की प्रतिद्वंद्वी टीमों से हार गईं।

दूसरे डिवीजन की एल्चे ने शीर्ष स्तर की लास पालमास के खिलाफ घरेलू मैदान पर 4-0 से जोरदार जीत दर्ज की, जिसमें घरेलू टीम ने शुरू से अंत तक दबदबा बनाए रखा और हाफटाइम के स्ट्रोक पर रोड्रिगो मेंडोजा के गोल से बढ़त हासिल की। इसके बाद एल्चे ने ब्रेक के बाद डेविड एफ़ेंग्रुबर, जोस सेलिनास और निकोलस फ़र्नांडीज़ के गोल की मदद से शानदार जीत दर्ज कर अंतिम-16 में प्रवेश किया।

तीसरे दर्जे की ओरेंस ने दो बार पीछे से वापसी की और फिर ला लीगा के सबसे निचले क्लब वलाडोलिड को 3-2 से हरा दिया।

राउल मोरो और सेलिम अमाल्लाह ने पहले हाफ में दो बार वलाडोलिड को आगे किया, लेकिन जैरो नोरिएगा और जेरिन रामोस ने गोल कर अपनी टीम को बराबरी दिला दी और फिर एंजेल सांचेज ने ब्रेक के सात मिनट बाद घरेलू टीम के लिए विजयी गोल किया।

सेल्टा विगो भी नॉकआउट होने के करीब था, क्योंकि यह रेसिंग सैंटेंडर से 2-1 से पीछे था, हालांकि जब सामान्य समय के सिर्फ़ चार मिनट बचे थे, रेसिंग ने आत्मघाती गोल कर लिया और फिर उसके बाद अल्फ़ोन ने 92वें मिनट में गोल कर सेल्टा विगो को 3-2 से जीत दिला दी।

अन्य मैचों में लेगनेस ने दूसरे डिवीजन के संघर्षशील कार्टाजेना के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की।

रियल सोसिएदाद ने दूसरे हाफ में मिकेल ओयारज़ाबल और ब्राइस मेंडेज़ के गोल की बदौलत तीसरे स्तर के पोनफेराडिना पर 2-0 से आसान जीत दर्ज की।

शनिवार को, एफसी बार्सिलोना ने चौथे स्तर के बारबास्ट्रो को 4-0 से हराया, जबकि खिताबधारी एथलेटिक बिलबाओ ने यूडी लॉग्रोन्स को पेनल्टी शूटआउट में शिकस्त दी। वहीं, टलेटिको मैड्रिड ने मार्बेला के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। सेविला ने दूसरे डिवीजन के लीडर अल्मेरिया को 4-1 से हराया।

यूनाइटेड कप टेनिस

स्पेन में ला लिगा फुटबॉल मैच में खेलते हुए रियल मैड्रिड की ओल्गा कैमरुन और एटलिटको मैड्रिड के जेनसन।

लीजेंड 90 लीग: चमक बिखेरने को तैयार शिखर धवन, हरभजन सिंह और सुरेश रैना

नई दिल्ली

लीजेंड 90 क्रिकेट लीग का उद्घाटन संस्करण फरवरी में शुरू हो रहा है। 90 गेंदों वाले इस लीग में दुनिया भर के क्रिकेट दिग्गज एक साथ खेल के मैदान में उतरेंगे और यह लीग खेल को पूरी तरह से बदल देगी। सात फ्रैंचाइजी- छत्तीसगढ़ वॉरियर्स, हरियाणा ग्लेडिएटर्स, दुबई जायंट्स, गुजरात सैम्प आर्मी, दिल्ली रॉयल्स, बिग बॉयज और राजस्थान किंग्स के साथ खेल के अविस्मरणीय जश्न के लिए मंच तैयार है।

शिखर धवन और रॉस टेलर दिल्ली रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि क्रिस गेल बिग बॉयज़ के लिए अपनी ताकत दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो राजस्थान किंग्स की कमान संभालेंगे और हरभजन सिंह हरियाणा ग्लेडिएटर्स के लिए अपना जादू बिखेरेंगे। लीग में सुरेश रैना, मोइन अली और मार्टिन गुप्टिल जैसे क्रिकेट के दिग्गज भी शामिल होंगे, जो प्रशंसकों को क्रिकेट की प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन देखने का मौका देंगे।

लीजेंड 90 लीग के निदेशक शिवैन शर्मा ने लीग के अभिनव दृष्टिकोण और दुनिया भर के प्रशंसकों को लुभाने की इसकी क्षमता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, लीजेंड 90 लीग क्रिकेट के कालातीत आकर्षण का उत्सव है, जिसमें पुरानी यादों को नवीनता के साथ जोड़ा गया है। सात अविश्वसनीय फ्रैंचाइज़ और क्रिस गेल, सुरेश रैना और शिखर धवन जैसे दिग्गजों के नेतृत्व में, यह 90-गेंद का प्रारूप सीट-ऑफ-द-सीट एक्शन का वादा करता है। यह खेल के कुछ महानतम खिलाड़ियों को क्रिकेट मनोरंजन में एक रोमांचक नए अध्याय के लिए एक साथ आते देखने का अवसर है।

मार्टिन गुप्टिल, सुरेश रैना और अंबाती रायुडू जैसे मार्की खिलाड़ियों के साथ छत्तीसगढ़ वॉरियर्स एक मजबूत प्रभाव डालने के लिए तैयार हैं। छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुणेश सिंह परिहार ने कहा, यह लीग एक अभूतपूर्व मंच है, और मैं गुप्टिल और रैना जैसे दिग्गजों को फिर से मैदान में देखकर रोमांचित हूँ।

90 गेंदों का प्रारूप एक नया परिप्रेक्ष्य लेकर आता है, और मुझे विश्वास है कि प्रशंसक अविस्मरणीय क्षणों के साक्षी बनेंगे क्योंकि ये खिलाड़ी अपनी स्थायी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

मेसी अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' जीतने वाले पहले पुरुष फुटबॉलर बने

नई दिल्ली

लियोनेल मेसी ने 4 जनवरी को अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ ली जब उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, प्रेसीडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित किया गया। व्हाइट हाउस ने अपने आधिकार एक्स हैंडल पर पुरस्कर विजेताओं के नामों की घोषणा की।

यह पदक उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका की समृद्धि, मूल्यों या सुरक्षा, विश्व शांति या अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक, सार्वजनिक या निजी प्रयासों में योगदान दिया हो।

मेसी यह पुरस्कार जीतने वाले पहले पुरुष फुटबॉलर (सॉकर खिलाड़ी) बन गए और 2022 में मेगन रेपिनो के बाद इस खेल से दूसरे खिलाड़ी बन गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने पुरस्कार प्रदान किया, जिसमें अर्जेंटीना के खिलाड़ी 19

प्राप्तकर्ताओं में से एक थे।

मेसी के क्लब इंटर मियामी ने एक बयान में कहा, मेसी ने कार्यक्रम से पहले व्हाइट हाउस को बताया कि वह बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं और यह सम्मान प्राप्त करना उनके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। हालांकि, शेड्यूल में टकराव और पूर्व प्रतिबद्धताओं के कारण, वे इसमें शामिल नहीं हो पाए। उन्होंने इस कदम की सराहना की और कहा कि उन्हें निकट भविष्य में मिलने का अवसर मिलने की उम्मीद है।

मेसी जुलाई 2023 में पेरिस सेंट-जर्मेन से फ्री ट्रांसफर पर इंटर मियामी में शामिल हुए और मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) की ओर से 39 मैचों में 34 गोल और 18 असिस्ट किए हैं। उन्होंने अब तक टीम के साथ लीग कप और एमएलएस सपोर्टर्स शील्ड जीती है।

अमेरिका में अपने समय के दौरान, उन्होंने 2023 में एक बार बैलन डीओर और फीफा मेन्स बेस्ट प्लेयर का खिताब जीता और पिछले साल अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने में मदद की। मियामी के नियमित सत्र के 15 मैच मिस करने के बावजूद वे एमएलएस मोस्ट वैल्यूबल (सबसे बहुमुखी खिलाड़ी) भी रहे।

चोट से जूझ रहे थंडर की मदद के लिए रिटायरमेंट से वापस लौटे डैन क्रिस्टियन

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई टी20 के दिग्गज डैन क्रिस्टियन संन्यास से वापस आ गए हैं और बिग बैश लीग (बीबीएल) में चोट से जूझ रहे सिडनी थंडर की मदद के लिए आगे आए हैं। 41 वर्षीय ऑलराउंडर ने आखिरी बार दो साल पहले सिडनी सिक्सर्स के लिए पेशेवर रूप से खेला था और तब से थंडर में सहायक कोच के रूप में काम कर रहे हैं। क्रिस्टियन ने सिक्सर्स की बीबीएल 12 सेमीफाइनल में ब्रिसबेन हीट से हार के बाद से कोई पेशेवर क्रिकेट मैच नहीं खेला है, लेकिन वह एनएसडब्ल्यू प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिता में यूएनएसडब्ल्यू के साथ फिट रहने में लगे हुए हैं। वह 40 की उम्र में बीबीएल में खेलने वाले खिलाड़ियों के एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो जाएंगे, जिसमें ब्रैड हॉज, पीटर सिडल, फवाद अहमद और दिवंगत शेन वार्न शामिल हैं - जो 43 साल की उम्र में लीग के इतिहास में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। क्रिस्टियन टूर्नामेंट के शेष भाग के लिए उपलब्ध हैं, जिसमें पहले से ही थंडर के शानदार प्रदर्शन से काफी सुधार हुआ है। क्रिस्टियन की वापसी डेनियल सैम्स और कैमरन बैनक्रॉफ्ट की चोटों के बाद हुई है, जो पिछले हफ्ते पर्थ स्कॉर्चर्स पर जीत के दौरान मैदान में एक भयानक टक्कर के बाद बाहर हो गए थे। क्रिस्टियन ने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा, मैंने ऑफ सीजन के दौरान ही यह फैसला कर लिया था कि बीबीएल या किसी अन्य टी20 लीग में वापसी मेरे लिए कभी भी पूरी तरह से संभव नहीं है। शरीर बहुत अच्छा महसूस कर रहा है, और मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि अगर कोई अवसर आया तो मैं तैयार रहूँ। कैम बैनक्रॉफ्ट और डैन सैम्स के साथ हुई घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन मैं इस अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूँ।

कॉलेज जाने वाली लड़कियों के लिए मेकअप टिप्स

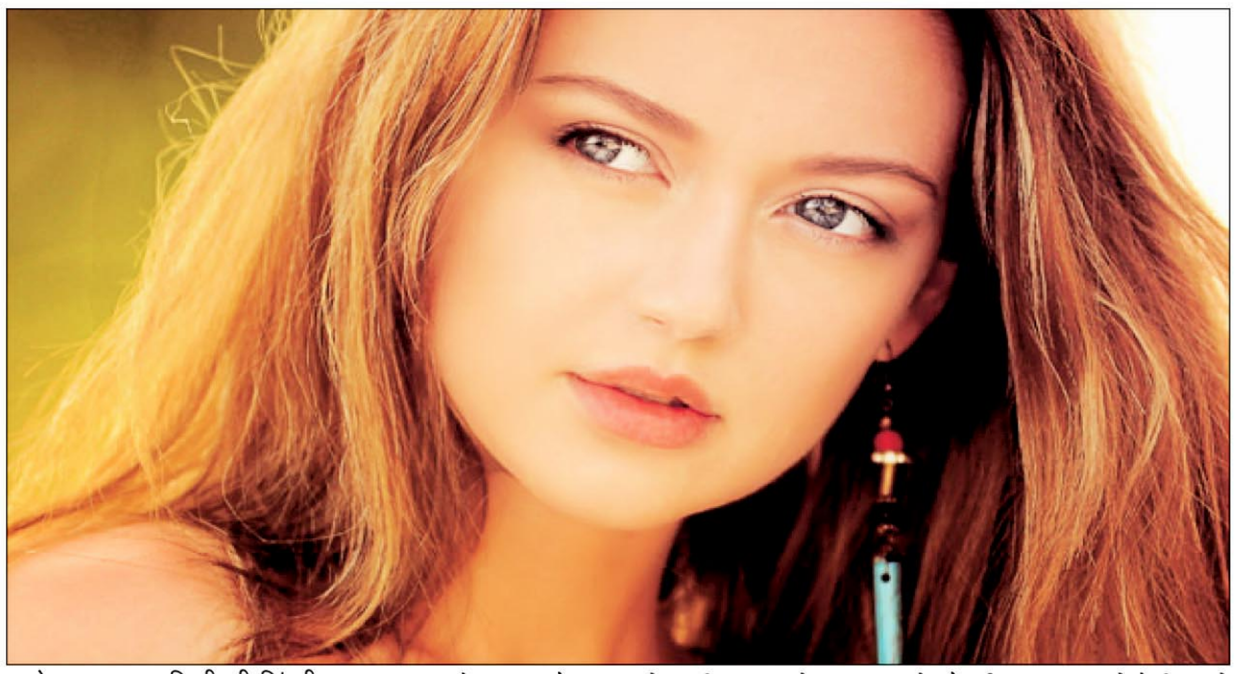

कालेज लाइफ हर किसी की जिंदगी का एक अहम फेज होता है जिसे जीने के लिए हर कोई खासतौर पर लड़कियां, पहले से तैयारियां शुरू कर देती हैं. स्कूल लाइफ को अलविदा कह कर कालेज में ऐंट्री और सब से अलग दिखने का क्रेज, ये सब टीनेज में ही होता है. युवतियां अपने मेकअप को ले कर इस उम्र में बहुत चीजें ट्राई करती हैं. चलिए, आप को बताते हैं कि उम्र के इस दौर में क्या फैशन फंडा अपनाना चाहिए जिस से आप लगें सब से डिफरैंट और सब से खूबसूरत.

दुल्हन के लिए खास मेकअप टिप्स

कालेजगोइंग गर्ल्स की इसी चाहत को ध्यान में रखते हुए सब से तेज मेकअप करने में गिनीज बुक रिकौर्ड बनाने वाली, एयरब्रश मेकअप ऐक्सपर्ट और मधुर भंडारकर की फिल्म 'इंदु सरकार' से ऐक्ट्रैस की नई पारी शुरू करने वाली इशिका तनेजा से लेते हैं कुछ खास मेकअप टिप्स, जो देशविदेश के अभिनेताअभिनेत्रियों, डिजाइनर्स और मशहूर गायकों के साथ काम करने के अलावा एल्पस कौस्मेटिक क्लीनिक की एक्जीक्यूटिव डायरैक्टर हैं.

-ऐग्जाम, मार्क्स और ऐडमिशन के टैंशन की निशानियां जैसे डार्क सर्कल्स वगैरा आदि आप के चेहरे पर साफ नजर आती हैं. ऐसे में इन प्रौब्लम्स को कलर करैक्शन फाउंडेशन क्रीम यानी सीसी क्रीम की मदद से छिपाया जा सकता है. इसे लगाने के लिए अपने हाथों में क्रीम लें और फिंगर की सहायता से पूरे चेहरे पर छोटेछोटे डौट्स लगा कर ब्रश से मर्ज कर लें.

- ब्लशर के बजाय बौंजर का इस्तेमाल करें. इसे फेस के आउटर कौर्नर और चीक बोन के नीचे पाउडर ब्रश की सहायता से ब्लैंड करते हुए लगाएं. इस से आप का फेस पतला नजर आएगा. इस के अलावा बौंजर का इस्तेमाल स्किन पर ग्लो लाता है और आप को खूबसूरत बना देता है.

- ड्रैस से मैचिंग या फिर कौम्प्लिमैंट करते हुए शेड जैसे एमरल्ड ग्रीन, इलैक्ट्रिक, ब्लू, वौयलेट आदि से आप अपनी आइज को सजा सकती हैं.

इन दिनों ट्रैंड के मुताबिक, कलर लाइनर से आप अपनी आइज कोइविंग्ड स्टाइल से भी सजा सकती हैं. यह आप की आंखों की शेप को अच्छे से डिफाइन भी करेगा, साथ ही, इसे लगाने के बाद आप को ज्यादा मेकअप करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी. इस मौसम में आई मेकअप के लिए प्रौडक्ट्स वाटरप्रूफ ही इस्तेमाल करें. पलकों को आईलैश कलर से कलर कर उन पर मसकारा का डबल कोट लगाएं.

-बबलगम पिंक या लाइट कोरल जैसे लाइट लिप शेड्स इस सीजन में आप की खूबसूरती को निखारेंगे और उम्र की मासूमियत को भी बरकरार रखेंगे.

- सैक्सी लुक के लिए बालों को मेसी लुक दे कर साइड बन या ब्रेड बना सकती हैं. इस स्टाइल को और भी खूबसूरत बनाने के लिए उसे स्टाइलिश व फंकी ऐक्सेसरीज से सजा सकती हैं या फिर कलरफुल रिबन के साथ ब्रेड को बना सकती हैं.

इन सब के अलावा इन दिनों रैड और वौयलेट कलर पौपुलर हैं, ऐसे में आप बालों के एज्स में ब्राइट कलर करवा सकती हैं. इस से आप की पर्सनैलिटी में एक अलग ही अट्रैक्शन आएगा. इन के अलावा कुछ दूसरे हेयरस्टाइल भी बना सकती हैं.

सब से पहले बालों को प्रैसिंग मशीन से स्ट्रेट कर लें. इस के बाद ईयर टू ईयर पार्टीशियन कर के फ्रंट और बैक के बालों को अलग कर दें. फ्रंट के बालों को पिनअप कर लें और पीछे के थोड़े से बालों में फेस के मुताबिक पफ बना लें. बचे हुए बालों को प्रैसिंग मशीन से एक बार और फिनिशिंग दें. अब फ्रंट के बालों में एक कान से दूसरे कान की तरफ जाती हुई फ्रैंच चोटी बना लें और चोटी को पीछे ले जा कर पिनअप कर लें. फ्रैंच चोटी बनाने के लिए बीच के बालों को 3 हिस्सों में बांट लें और उन की चोटी बनानी शुरू करें. फिर टेल कौंब के सहारे लैफ्ट साइड से थोड़े से बाल उठाएं और चोटी के राइट वाले भाग में मिला दें.

इसी प्रकार कौंब की मदद से ही राइट साइड के बाल भी उठाएं और लैफ्ट पार्ट में मिला दें. इस पूरे प्रौसीजर को अंत तक यों ही करते रहें, फ्रैंच चोटी तैयार हो जाएगी. इस स्टाइलिश लुक में फैशनेबल रंग डालने के लिए अपनी ड्रैस के कलर से मैचिंग बीड्स लगा लें या फिर स्वरोस्की लगा कर सजाएं.

बालों को फ्रंट से साइड पार्टिंग करने के बाद राइट साइड से बालों को ट्विस्ट करते हुए पीछे की ओर ले कर आएं. फिर अपने लैफ्ट साइड से भी इसी तरह अपने बालों को ट्विस्ट करते हुए साइड में ले कर आएं और दोनों को एकदूसरे के ऊपर ट्विस्ट करते हुए ट्विस्टिंग रोल चोटी बना लें. आप चाहें तो दोनों के बीच में दूसरे कलर की हेयर ऐक्सटैंशन भी यूज कर सकती हैं.

विटामिन डी की कमी के लक्षण, न करें अनदेखा

शरीर के विकास के लिए विटामिन्स और मिनरल्स काफी जरूरी है। जब शरीर में विटामिन डी की कमी होने लगती है तो वह कई संकेत देने लगता है। यह विटामिन हमारे लिए काफी जरूरी है। आप दूध पीने से परहेज करते हैं और सही मात्रा में धूप भी नहीं लेते तो शरीर में कैल्शियम के साथ-साथ विटामिन डी की कमी हो सकती है। यह काफी गंभीर समस्या है, जिससे हमारा स्वास्थ्य बिगड़ भी सकता है। विटामिन डी का हमारे शरीर में काफी महत्तवपूर्ण रोल है। इसकी कमी होने से हड्डियां और दांत कमजोर हो सकते है। विटामिन डी की कमी होने के लक्षण इस प्रकार है।

कमजोर इम्युन सिस्टम

विटामिन डी जीन फंक्शन्स और प्रक्रियाओं को सामान्य रूप में नियंत्रित करता है, जिससे हमारा शरीर स्वस्थ बना रहता है।

हड्डी और मांसपेशियां कमजोर

हड्डियों में दर्द व कमजोरी के साथ ही मांसपेशियों में लगातार दर्द महसूस हो रहा है तो ऐसा विटामिन डी की कमी का कारण हो सकता है। विटामिन डी हड्डियों दांतों और मांसपेशियों के लिए भी बहुत जरूरी पोषक तत्व है।

तनाव

शोध में पाया गया कि जिन लोगों के शरीर विटामिन डी की कमी होती है वो हमेशा उदास और तनावग्रस्त रहते है। विटामिन डी हमारे मूड और तनाव पर काफी जरूरी भूमिका निभाता है। विटामिन डी डिप्रेशन से दूर निकालने में मदद करता है।

अधिक पसीना आना

शरीर में विटामिन डी की कमी होने पर अधिक पसीना आता है। यह पसीना सिर पर अत्यधिक आता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टरी सलाह जरूर लें। बच्चों के हाथो पर अगर ज्यादा पसीना आता है तो हो सकता है कि उनमें विटामिन डी की कमी हो। इसको अनदेखा न करें।

चिकित्सक क्षमता में देरी

बार-बार इंफैक्शन होना भी विटामिन डी की कमी का ही संकेत है। दरअसल, हमारे इम्युन सिस्टम यानी प्रतिरक्षा प्रणाली किसी भी घाव के संक्रमण से लड़ने का काम करती है। जब शरीर में विटामिन डी की कमी होती है, तो आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली समझौता कर लेती है, जिससे आपका शरीर हानिकारक बैक्टीरिया से संक्रमित हो सकता है।

विटामिन डी की कमी के कारण

- यदि आपकी त्वचा का रंग बहुत गहरा है।
- अगर आप 50 से अधिक उम्र के है।
- वजन बहुत ज्यादा होना।
- आहार में विटामिन डी-युक्त खाद्य पदार्थ शामिल न करना।
- यदि आप धूप से बहुत अधिक बचते हैं।
- अपना ज्यादा से ज्यादा समय घर में बिताना।

वास्तु दोष मिटाने के साथ पुण्य प्राप्ति भी दिलाएगा कपूर

कपूर उड़नशील वानस्पतिक द्रव्य है। यह सफेद रंग का मोम की तरह का पदार्थ होता है। इसमे एक तीखी गंध होती है। कपूर को संस्कृत में कर्पूर, फारसी में काफूर और अंग्रेजी में कैंफर कहते हैं। अक्सर लोग इसे आरती की थाल में रखते हैं क्योंकि आरती के बाद इसे जलाना शुभ माना जाता है और इससे वातावरण भी सुगंधित हो जाता है तथा मन में शांति मिलती है। वास्तु शास्त्र और ज्योतिष में भी इसके महत्व के बारे में जानने को मिलता है। तो आईए आज जानते हैं कैसे इसके प्रयोग से हमारे घर आदि की स्थिति को सुधारा जा सकता है और कैसे ये हमारे ऊपर पड़े ग्रहों के बुरे असर से हमें छुटकारा दिलाता है।

कपूर से धन प्राप्ति

गुलाब के फूल में कपूर के टुकड़े को रख शाम को उसे जला देवी दुर्गा को अर्पित करें। इससे धन की प्राप्ति के योग बनते हैं। 43 दिन तक ऐसा करना लाभदायक माना जाता है। नवरात्रि में ऐसा करना आधिक असरदायक माना जाता है।

कपूर से चमकेगा भाग्य

नहाने के पानी में कपूर के तेल की कुछ बूंदें मिलाने से शरीर तरोताजा रहता है एवं भाग्य चमकता है। हो सके तो इसमें कुछ बूंदें चमेली के तेल की भी मिला लें, इससे राहु, केतु और शनि दोष खत्म होने लगता है लेकिन ऐसा सिर्फ शनिवार को ही करें।

घर में सकारात्मक उर्जा को बढ़ाता है कपूर

घर में सकारात्मक उर्जा को बरकरार या बढ़ाने के लिए रोज सुबह शाम कपूर को देसी घी में भिगोकर जलाएं और संपूर्ण घर में इसकी सुगंध को फैला दें। इसे रोज करने से घर में अमन शांति का माहौल सदैव बना रहता है।

पति-पत्नी के बीच का तनाव करता है खत्म

रात को सोने से पहले पत्नी पति के तकिए के नीचे सिदूंर व कपूर की एक पुड़िया बनाकर रखे व पति पत्नी के तकिए के नीचे 2 कपूर ती टिकियां रखे। प्रातः होते ही उसे घर से बाहर कहीं दूर उचित स्थान फैंक दें यां कपूर को शयन कक्ष में ही जला दें। इससे पति-पत्नी के बीच रहने वाला तनाव समाप्त हो जाता है।

पुण्य प्राप्ति के लिए कपूर का उपयोग

कपूर जलाने की परंपरा प्रचीन समय से चली आ रही है। शास्त्रों के अनुसार देवी-देवताओं के समक्ष कपूर जलाने से अक्षय पुणय की प्राप्ति होती है। इसलिए सुबह और शाम को संध्यावंदन के समय घर में कपूर जरूर जलाएं।

वास्तु दोष मिटाने के लिए घर में रखें कपूर

यदि घर के किसी स्थान पर वास्तु दोष निर्मित हो रहा है तो वहां कपूर की 2 टिकियां रखें। जब वह गलकर समाप्त हो जाएं तो उन्हें बदल दें। ऐसे इसे बदलते रहने से घर में वास्तु जोष निर्मित नहीं होगा।

सर्दियों में ये खाएं और बीमारी दूर भगाएं

सर्दियों का मौसम और सर्द हवाएं अपने साथ कई तरह की बिमारियां साथ लेकर आता हैं, इस मौसम में कई तरह की परेशानियां सामने आती है जिससे बच पाना काफी मुश्किल होता है. इसलिए आज हम आपके लिए प्रकृति का ऐसा उपहार लेकर आए हैं, जो आपकी इन समस्याओं से लड़ने में मदद करेगा.

गाजर

गाजर में बीटा कैरोटीन होता है, जिसे शरीर विटामिन-ए में तब्दील कर देता है. विटामिन-ए प्रतिरोधक प्रणाली के लिए, संक्रमण से बचाने के लिए और फेफड़ों को स्वस्थ रखकर सांस की बिमारियों के खतरे को कम करने में मददगार होती है.

हल्दी

एंटी-बैक्टिरियल, एंटी-फंगल और एंटी-वायरल के तौर पर यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मददगार है. रोजाना अगर हल्दी को गर्म दूध में डालकर लिया जाए, तो ये और भी ज्यादा फायदेमंद साबित होती है. सर्दियों के मौसम में इसका इस्तेमाल आपको कई बिमारियों से बचाता है.

चुकंदर

चुकंदर में लाभवर्धक फाइटोकेमिकल्स और एंटीआक्सिडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो स्वस्थ कोशिकाओं और उनके डीएनए को नुकसान पहुंचाने वाले मुक्त कणों से लड़ने में मदद करते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को भी सुदृढ़ बनाते हैं. रोजाना अपने खाने में चुकंदर शामिल करें. ये आपको सर्दियों मे होने वाली बिमारियों से बचाता है.

अश्वगंधा की जड़

अश्वगंधा की जड़ पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति में कारगार आयुर्वेदिक दवा के रूप में प्रयोग की जाती है. इसे एक 'एडप्टोजन' माना जाता है. मतलब यह कि एक ऐसी जड़ीबूटी है, जो शारीरिक ऊर्जा सुधारने में, खिलाड़ियों की क्षमता बढ़ाने में, रोग प्रतिरोधक क्षमता सुधारने और प्रजनन क्षमता बढ़ाने में काफी कारगर मानी जाती है.

लहसुन

लहसुन खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ ही कई गुणों से भरपूर है. इसमें कैलोरी काफी कम होती हैं साथ ही यह फाइटोन्यूट्रिएंट एनिथोल से भरपूर होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मददगार है. सर्दियों में ही नहीं बल्कि किसी भी मौसम में ये आपकी सुरक्षा कवच के रूप में काम करता है.

रेसिपी

क्रीम चीज ब्रुसचेटटा

सामग्री

टमाटर- 1 (लंबे कटे हुए), मारीनारा सॉस- द कप, ऑलिव आयिल- 1 टेबलस्पून, नमक- द टीस्पून,पिसी काली मिर्च- द टीस्पून, ओरेगैनो- 1 टेबलस्पून, तुलसी- 2 टेबलस्पून (कटी हुई), मोजेरेला चीज- द कप

फेंच ब्रेड- 1

विधि

एक बाउल में 1 कटा हुआ टमाटर, द कप मारीनारा सॉस, 1 टेबलस्पून ऑलिव आयिल, द टीस्पून नमक, द टीस्पून काली मिर्च, 1 टेबलस्पून ओरेगैनो, 2 टेबलस्पून तुलसी और द कप मोजेरेला चीज को डालकर मिक्स करें। ओवन को 400एस्न्न पर प्रहीट करके गर्म करें। इसके बाद फेंच ब्रेड को मोटे टुकड़ों में काट लें। ब्रेड स्लाइस के उपर टमाटर का मिश्रण रखने के बाद बेकिंग ट्रे पर रखें। इसके बाद इसे 5-7 मिनट के लिए बेक करें। आपके क्रीमी चीज़ ब्रुस्केटा बन कर तैयार है।अब आप इसे गर्मा-गर्म चाय के साथ सर्व करें।

वर्की पूरी

सामग्री

मैदा - 250 ग्राम,सूजी - 50 ग्राम, जीरा - 1 छोटा चम्मच, काली मिर्च - 1 छोटा चम्मच, नमक - छोटा डेढ़ चम्मच, गर्म घी - 2 चम्मच, पानी - 120 मिलीलीटर, घी - 1/2 बड़ा चम्मच, घी - 75 ग्राम, अरारोट - 30 ग्राम, तेल - फ्राई करने के लिए

विधि

एक बाउल में 250 ग्राम मैदा, 50 ग्राम सूजी, 1 छोटा चम्मच जीरा, 1 छोटा चम्मच काली मिर्च, छोटा डेढ़ चम्मच नमक, 2 बड़े चम्मच गर्म घी, 120 मिलीलीटर पानी डालकर नरम आटा गूंध लें। फिर आटे में 1/2 बड़ा चम्मच घी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और इसे एक तरफ रख दें। एक बाउल में 75 ग्राम घी और 30 ग्राम अरारोट डालकर मिक्स करें और एक तरफ रख दें। आटे को 5 भागों में लेकर बारी-बारी से रोल करें और इसे एक-एक करके बेलन की सहायता से बेल लें। ध्यान रहे कि इस दौरान आटे का उपयोग न करें। अब बेली हुई रोटी को साफ सूखी जगह पर रखें और इस पर ब्रश की सहायता से घी लगाएं। इस रोटी के ऊपर एक और रोटी रखें और इस तरह रोटी की 3 परतें बना लें। इसे कसकर एक से दूसरे छोर तक रोल करें और एक तेज चाकू का उपयोग करके बराबर भाग में काट लें। काटे हुए प्रत्येक भाग को अपनी हथेलियों से समतल करें और फिर हल्के से उन्हें 75 मिमी में रोल करें। इस दौरान भी आटे का उपयोग न करें। अपनी उंगलियों का उपयोग करके अच्छी तरह से छोर को सील करें। ताकि फ्राई करने के दौरान यह खुल न सके। एक कढ़ाई में पर्याप्त तेल डालकर गर्म करें और इसमें आटे की बनाई रोटी को सुनहरा भूरा और खस्ता होने तक फ्राई करें। फिर इसे अब्सॉर्बेंट पेपर पर निकाल लें।आपकी वर्की पूरी तैयार है। इसे ठंडा करके किसी डिब्बे में स्टोर कर लें और जब मन चाहे इसका उपयोग करें।

सर्दियों में ये घरेलू उपाय दिलाएंगे रूखी त्वचा से छुटकारा

सर्दियों के मौसम में अक्सर ही नमी की कमी के कारण त्वचा रूखी, शुष्क और बेजान सी नजर आने लगती है. रूखेपन की वजह से त्वचा के फटने की समस्या भी सामने आती है जिससे काफी तकलीफ होती है. त्वचा की इन समस्याओं से बचने के लिए हम तरह तरह के उपाय आजमाते रहते हैं. लोग इसके लिए तमाम तरह के बाजारू क्रीम्स, कास्मेटिक्स और केमिकलयुक्त मौइश्चराइजर्स आदि का इस्तेमाल करते हैं, पर नतीजा यह होता है कि कई बार इनमें मौजूद केमिकल्स त्वचा को नुकसान पहुंचाते रहते हैं. ऐसे में त्वचा के लिए घरेलू नुस्खे अपनाना ज्यादा बेहतर है. ये प्राकृतिक रूप से त्वचा की सेहत सही रखते हैं. घरेलू नुस्खों से बने ब्यूटी प्रोडक्ट्स का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता. साथ ही साथ ये त्वचा को लंबे समय तक मौइश्चराइज रखते हैं. तो चलिए, सर्दियों में त्वचा को नम बनाए रखने के लिए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताते हैं.

सर्दियों में ऐसे रखें अपनी त्वचा का खास खयाल

एक कटोरी में दूध लेकर इसमें 1 चम्मच चीनी और और 1 चम्मच बादाम का पाउडर डालकर पेस्ट बना लीजिये. अब इस पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दीजिए. उसके बाद हल्के गुनगुने पानी से धो दीजिये. कुछ दिनों तक ऐसा करने से त्वचा का रूखापन बिल्कुल ठीक हो जाएगा और त्वचा मुलायम और चमकदार हो जाएगी. आधे कप दही में एक चम्मच दूध की मलाई, एक चम्मच मैश किया हुआ केला और एक चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बना लीजिए. अब इसे हल्के हाथों से अपनी त्वचा पर लगाइये. इसे 15 मिनट तक अपने त्वचा पर लगा रहने दें और फिर पानी से धो लें. हफ्ते में दो बार ऐसा करने से त्वचा मे नमी आएगी और बेजान त्वचा एक बार फिर से खिल उठेगी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**